CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 287 ता. 26 अप्रेल 2021, सोमवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

केंद्र को पिछले साल ही किया गया था आगाह, देश में होने वाली है ऑक्सीजन और बेड की कमी-रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में कोरोना से मचे हाहाकार और हर तरफ से आ रही ऑक्सीजन की खबरों के बीच एक खबर यह भी आई है कि केंद्र को इस कमी को लेकर पहले ही आगाह किया गया था। दरअसल, संसद की एक स्थायी समिति ने कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर आने से कुछ महीने पहले ही सरकार को सुझाव दिया था कि अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या और ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाया जाए। स्वास्थ्य संबंधी स्थायी समिति ने पिछले साल नवंबर में अपनी रिपोर्ट में यह पैरवी भी की थी कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य प्राधिकरण को ऑक्सीजन सिलेंडर की कीमत तय करनी चाहिए ताकि इसकी किफायती दर पर उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इस समिति के अध्यक्ष समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव हैं और इसमें भाजपा के 16 सदस्य शामिल हैं। समिति ने कहा था, समिति सरकार से यह अनुशंसा करती है कि ऑक्सीजन के उत्पादन को प्रोत्साहित करे ताकि अस्पतालों में इसकी आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। समिति ने यह भी कहा कि कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए देश के सरकारी अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या पर्याप्त नहीं है और अस्पतालों में बिस्तरों और वेंटिलेटर की कमी की वजह से इस महामारी पर लगाम लगाने की कोशिशों पर असर पड़ रहा है। स्वास्थ्य तंत्र की खराब हालत का उल्लेख करते हुए समिति ने यह सुझाव भी दिया था कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया जाए तथा देश में स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण किया जाए।

पीएम मोदी बोले

मेरा आग्रह है कोरोना वैक्सीन को लेकर किसी अफवाह में न आएं

नई दिल्ली। देश में गहराते जा रहे कोरोना संकट के बीच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से देश को संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी आज देशवासियों से मन की बातकर रहे हैं। यह मन की बात का 76वां संस्करण है। इस दौरान पीएम मोदी ने कोरोना की दूसरी लहर से उपजे संकट को लेकर देशवासियों से बात की है। उन्होंने कहा कि देश संकट की घड़ी से गुजर रहा है। बता देंकि पिछली बार पीएम मोदी ने 28 मार्च को रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश को संबोधित किया था। यह रेडियो कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होगा, जो ऑल इंडिया रेडियो के साथ-साथ टेलीविजन, फेसबुक, ट्विटर पेज और मोबाइल एप पर भी लाइव सुना जा सकता है। आइए जानते हैं पीएम मोदी के संबोधन की प्रमुख बातें...

कोरोना संकट पर बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि आज मैं आपसे मन की बात एक ऐसे समय कर रहा हूं जब कोरोना हम सभी के धैर्य हम सभी के दुख बर्दाश्त करने की सीमा की परीक्षा ले रहा है। बहुत से अपने हमें असमय छोड़कर चले गए। पीएम मोदी ने कहा कि कोविड19 की पहली लहर से सफलतापूर्वक निपटने के बाद, देश का मनोबल ऊंचा था लेकिन इस तूफान ने देश को हिला दिया है। कोविड की इस लहर से निपटने के लिए, मैंने कई क्षेत्रों जैसे फार्मा उद्योग, ऑक्सीजन उत्पादन आदि के विशेषज्ञों के साथ बैठकें की हैं।

कोरोना संकट के बीच पीएम का संबोधन-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम ऐसे समय में होने जा रहा है, जब देश में कोरोना संकट के कारण गंभीर हालात बने हुए हैं। देश में कोरोना संक्रमण के रोजाना नए रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में लोग कोरोना की चपेट में आकर अपनी जान गंवा रहे हैं। दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में ऑक्सीजन की कमी पैदा हो गई है, जिसकी वजह से मरीजों की जान पर बन आई है। ऐसे में पीएम मोदी देश में ऑक्सीजन की कमी पर क्या कहते हैं इस पर भी देश की नजर होगी। इसके अलावा देश में वैक्सीन की कमी पर भी पीएम क्या बोलते हैं ये देखना होगा।

लगातार चौथे दिन मिले तीन लाख से ज्यादा मामले-देश में कोरोना महामारी की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। संक्रमितों की संख्या रोज रिकार्ड तोड़ रही है। शनिवार को रिकार्ड 3,46,786 नए केस मिले। यह लगातार चौथा दिन है, जब तीन लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं। एक दिन में 2,624 संक्रमितों की मौत हुई है। कोविड- 19 इंडिया ओआरजी की तरफ से शनिवार देर रात तक मिले आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में 3,48,831 नए मामले मिले हैं।

संसदीय समिति ने नवंबर में ही 'आक्सीजन उत्पादन' बढ़ाने का दिया था सुझाव

नई दिल्ली। संसद की एक स्थायी समिति ने कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर आने से पहले ही सरकार को अस्पतालों में बिस्तर की संख्या और आक्सीजन उत्पादन बढ़ाने का सुझाव दे दिया था। समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव की अध्यक्षता में स्वास्थ्य पर गठित स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की पैरवी भी की थी कि नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) को आक्सीजन सिलेंडर की कीमत का निर्धारण करना चाहिए, ताकि इसकी किफायती दर पर उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। भाजपा के 16 सांसद भी इस समिति के सदस्य हैं। नवंबर में संसद में पेश रिपोर्ट में कहा गया था, 'सरकार आक्सीजन के उचित उत्पादन को प्रोत्साहित करे ताकि अस्पतालों में इसकी आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।' रिपोर्ट में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए देश के सरकारी अस्पतालों में बेड की अपर्याप्त संख्या का मुद्दा भी उठाया गया था। समिति ने इस बात का उल्लेख भी किया था कि अस्पतालों में बेड और वेंटिलेटर की कमी के कारण इस महामारी पर अंकुश लगाने के प्रयास पर असर पड़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया था, 'बढ़ते मामलों के साथ अस्पतालों में खाली बेड खोजना बहुत दुखद हो गया था। बेड न होने के कारण अस्पताल से मरीजों का निराश होकर लौट जाना न्यू नॉर्मल हो

गया। एम्स, पटना में आक्सीजन के सिलेंडर लेकर खाली बेड की तलाश में मरीजों का भटकना ऐसा ही दृश्य था, जिससे मानवता तार-तार हो रही थी।' स्वास्थ्य तंत्र की खराब हालत का उल्लेख करते हुए समिति ने यह सुझाव भी दिया था कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया जाए और देश में स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण किया जाए।

इंटरनेट मीडिया पर कोरोना की 'फेक न्यूज़' को लेकर सरकार अलर्ट

ट्विटर-फेसबुक को भ्रामक पोस्ट हटाने को कहा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ट्विटर एवं फेसबुक समेत विभिन्न इंटरनेट मीडिया से ऐसी पोस्ट हटाने का निर्देश दिया है, जिनमें महामारी को लेकर भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। ट्विटर का कहना है कि उसने भारत सरकार के अनुरोध पर कदम उठाया है। उन अकाउंट होल्डर्स को सूचित किया गया है, जिन पर इस कदम से प्रभाव पड़ेगा। हालांकि ट्विटर ने प्रभावित अकाउंट की विस्तृत जानकारी नहीं दी है। सूत्रों का कहना है कि इन पोस्ट में भ्रामक जानकारियां दी गई थीं और इस तरह से तैयार किया गया था कि लोगों में घबराहट बढ़े। ट्विटर के प्रवक्ता ने कहा कि जब एक उचित कानूनी आग्रह मिलता है तो हमारी टीम संबंधित पोस्ट की ट्विटर नियमोंऔर स्थानीय कानूनों, दोनों के हिसाब से समीक्षा करती है। यदि कंटेंट से ट्विटर के नियमों का उल्लंघन होता है तो उसे हटा दिया जाता है। लेकिन यदि कंटेंट खास न्यायाधिकार के हिसाब से गैरकानूनी होता है, लेकिन ट्विटर के नियमों के खिलाफ नहीं होता तो हम उस कंटेंट को केवल भारत में दिखाई देने से रोक देते हैं।

50 से ज्यादा पोस्ट हटाए जाने की पुष्टि-ल्यूमेन डाटाबेस (एक स्वतंत्र शोध परियोजना) के हिसाब से भारत सरकार के आग्रह पर ट्विटर ने 50 से ज्यादा पोस्ट हटाई हैं। इन पोस्ट में एक संसद सदस्य, विधायक और फिल्म निर्माताओं के ट्वीट भी शामिल हैं। हालांकि ट्विटर का कहना है कि उसने इस कार्रवाई से पहले सभी खाताधारकों को जानकारी दी थी ताकि उन्हें यह कदम भारत सरकार के कानूनी आग्रह पर उठाए जाने की जानकारी रहे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि देश में कोरोना वैक्सीन की कमी है और केंद्र सरकार को जनसंपर्क और गैरजरूरी परियोजनाओं में समय बिताने के बदले इस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राहुल ने ट्वीट करते हुए कहा कि देश में अब तक 1.4 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण हो चुका है। देश को वैक्सीन की जरूरत है। उन्होंने एक ग्राफ भी साझा किया जिसके मुताबिक अमेरिका अपनी आबादी के 26.5 प्रतिशत लोगों का टीकाकरण कर चुका है। इसके अलावा ब्रिटेन भी 15.9 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण कर चुका है। एक अन्य ट्वीट में कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार को वैक्सीन, आक्सीजन की आपूर्ति और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देना चाहिए। आने वाले दिनों में संकट और गहराएगा। देश को इससे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

ऑक्सीजन न मिलने से 1965 युद्ध के हीरो और परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हामिद के बेटे का निधन

कानपुर। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान के खतरनाक पैटन टैंक तबाह करने वाले परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के बेटे 61 वर्षीय अली हसन की शुक्रवार को कानपुर के एक अस्पताल में इलाज में हुई कथित लापरवाही के कारण मौत हो गई। मृतक के परिवार ने आरोप लगाया कि लाला लाजपत राय अस्पताल (हैलट) के अधिकारियों ने अली हसन की कोविड-19 की जांच कराने की जहमत नहीं उठाई कि पता लग पाता कि वह संक्रमित थे या नहीं। हसन के बेटे सलीम ने दावा किया कि उनके पिता की मौत अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण हुई है।सलीम ने पत्रकारों को बताया कि उनके पिता पिछले कई दिनों से अस्वस्थ थे और उन्हें बुधवार को लाला लाजपत राय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती किए जाने के बाद अली हसन को ऑक्सीजन पर रखा गया लेकिन चार घंटे बाद उनके स्वास्थ्य को स्थिर बताते हुए ऑक्सीजन हटा दी गई। सलीम ने आरोप लगाया कि पिता के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए जब अस्पताल के कर्मचारियों से ऑक्सीजन की सुविधा के लिए संपर्क किया गया तो कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि डॉक्टरों को यह बताया गया कि अली हसन परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के पुत्र हैं लेकिन किसी ने तवज्जो नहीं दी। मूलतः गाजीपुर जिले के निवासी वीर अब्दुल हमीद के पुत्र अली हसन कानपुर के सैयद नगर में अपने परिवार संग रहते थे और कानपुर में आयुध उपकरण कारखाना से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने यहां अपना घर बना लिया था। इस संदर्भ में जब गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कालेज, कानपुर के प्रमुख आर बी कमल से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें निधन की सूचना मिली है लेकिन और किसी भी तरह की टिप्पणी से इनकार कर दिया।

बिहार में कोरोना वैक्सीनेशन के तीसरे चरण के लिए 18 वर्ष से ऊपर वालों का रजिस्ट्रेशन 28 से

पटना। बिहार में 18 से 44 साल के लोगों के एक मई से शुरू हो रहे कोरोना टीकाकरण अभियान को लेकर 28 अप्रैल से निबंधन की प्रक्रिया शुरू होगी। राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक मनोज कुमार ने शनिवार को ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि बिना पूर्व निबंधन के 18 से अधिक उम्र वाले कोरोना टीका नहीं ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि 18 से 44 साल के व्यक्तियों के बीच श्रेणी बनाई जा सकती है। राज्य सरकार इस पर विचार कर रही है। इसको लेकर उच्चस्तरीय बैठक में विचार किया जाएगा।

मनोज कुमार ने बताया कि अब तक सिर्फ सीरम इंस्टीट्यूट ने ही कोरोना के टीका के मूल्य की घोषणा की है, जबकि अन्य टीका निर्माताओं के टीका की मूल्य दर अभी सामने नहीं आई है। राज्य सरकार अपनी जरूरतों को देखते हुए सीरम इंस्टीट्यूट से कोविशिल्ड टीका खरीदने का निर्णय किया है। हालांकि, अभी इसकी संख्या और कब तक खरीद होगी इस पर अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है।

आरटीपीसीआर किट की नहीं कोई कमी

एक सवाल के जवाब में श्री कुमार ने कहा कि राज्य में आरटीपीसीआर जांच किट की कोई कमी नहीं है। राज्य के 18 सरकारी जांच केंद्रों पर आरटीपीसीआर किट से जांच की जा रही है, जिसे लगातार जांच किट उपलब्ध कराई जाती है। कहा कि निजी लैब में आरटीपीसीआर जांच किट की कमी को लेकर बात की जाएगी, ताकि उन्हें सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। सरकारी जांच केंद्रों पर कहीं- कहीं आरटीपीसीआर सैम्पल लेने की कार्रवाई रोके जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि आरटीपीसीआर जांच लैब में कर्मियों के संक्रमित होने के कारण सैम्पल लेने की प्रक्रिया रोकी गयी थी, ताकि सैम्पल लेने के बाद बैकलॉग नहीं बढ़े और खराब न हो। जांच लैब को एक दिन सेनेटाइज करने के लिए बंद करना पड़ता है।

सीएम योगी का ऑक्सीजन को लेकर सख्त निर्देश, अब इन्हें ही मिलेगा सिलेंडर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि अगर कोई ऑक्सीजन सिलेंडर लेने जाता है तो, डाक्टर की पर्ची दिखाने पर ही सिलेंडर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि रेमेडेसिवर, जीवन रक्षक दवाओं तथा ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों पर गैंगस्टर, एनएसए लगाया जायेगा और ऐसे लोगों की सम्पत्ति भी जब्त की जायेगी।

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनावश्यक रूप से हर आदमी आक्सीजन के पीछे न भागे। जिसे डाक्टर ने जिसे आक्सीजन की आवश्यकता बताया है, उसे ही आक्सीजन उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलों में कोविड बेड बढ़ाने का कार्य में निरन्तर, जिसमें 200-200 बेड बढ़ाने की प्रक्रिया की जा रही है।

लखनऊ में केजीएमयू, बलरामपुर अस्पताल को पूर्णतया कोविड अस्पताल बनाकर लगभग पांच हजार आसीयू बेड तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में आक्सीजन नियंत्रित करने के लिए कन्ट्रोल रूम बनाया गया है, आक्सीजन की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है, लेकिन आक्सीजन की व्यवस्था निरन्तर की जा रही है। एक नया साफ्टवेयर लगाया गया है जिसके माध्यम से अस्पतालों को कब और कैसे कितनी आक्सीजन जा रही है।

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनावश्यक रूप से हर आदमी आक्सीजन के पीछे न भागे। जिसे डाक्टर ने जिसे आक्सीजन की आवश्यकता बताया है, उसे ही आक्सीजन उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलों में कोविड बेड बढ़ाने का कार्य में निरन्तर, जिसमें 200-200 बेड बढ़ाने की प्रक्रिया की जा रही है।

इस साफ्टवेयर के माध्यम से लोकेशन को ट्रैक किया जाएगा। ऐसी स्थिति नहीं आने दी जा रही है कहीं भी आक्सीजन की वजह से कहीं किसी मरीज को परेशानी का सामना करना पड़े। कुछ लोगों द्वारा इसे अफवाह बनाकर सोशल मीडिया पर पैनिक फैलाने की कोशिश की जा रही है। सरकार इस पर भी नजर रख रही है। सभी से अपील है कि हर किसी को अलग से आक्सीजन की आवश्यकता नहीं होती है। लगभग 95 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को आक्सीजन की आवश्यकता नहीं होती है।

सहगल ने बताया कि जो लोग होम आइसोलेशन में रह रहे हैं उनको भी आक्सीजन की कोई कठिनाई न आए और उन्हें आक्सीजन मिलती रहे। प्रदेश में कैडिला से रेमेडेसिविर के 18000 इंजेक्शन प्राप्त हो गए हैं कल भी दूसरी कम्पनी से भी रेमडेसिविर के इंजेक्शन प्राप्त हुए थे। प्रदेश में रेमडेसिविर के इंजेक्शन समुचित मात्रा में उपलब्ध है। रेमडेसिविर के भी इंजेक्शन बहुत कम मरीजों को इसकी आवश्यकता पड़ती है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि रेमेडेसिवर, जीवन रक्षक दवाओं तथा ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों पर गैंगस्टर, एनएसए लगाया जायेगा और ऐसे लोगों की सम्पत्ति भी जब्त की जायेगी। सहगल ने बताया कि प्रदेश में टैंकरों को रेल के माध्यम से आक्सीजन लाने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है। खाली टैंकरों को वायुयान से बोकारो/जमशेदपुर में उतारा जा रहा है। प्रदेश में आक्सीजन, जीवन रक्षक दवाइयों की सूचारू उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा रही है।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में टेस्टिंग का कार्य करते हुए, टेस्टिंग की क्षमता निरन्तर बढ़ायी जा रही है। गत एक दिन में कुल 2,25,960 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 3,95,40,989 सैम्पल की जांच की गयी है। इसमें लगभग 1.05 लाख से अधिक सैम्पलों की जांच आरटीपीसीआर के माध्यम से की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 38,055 नये मामले आये है। प्रदेश में 2,18,144 कोरोना के एक्टिव मामले में से 2,29,744 लोग होम आइसोलेशन में, निजी चिकित्सालयों में 6,411 लोग तथा शेष मरीज सरकारी चिकित्सालयों में इलाज भी करा रहे हैं।

CMYK

सार समाचार

ममता बनर्जी ने ना मां की चिंता की, ना माटी की और ना ही मानुष की: जेपी नड्डा

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दो चरण के मतदान बचे हुए है। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए चुनाव आयोग की ओर से प्रचार पर कुछ पाबंदियां लगाई गई है। नेता डिजिटल तरीके से चुनाव प्रचार कर रहे हैं। आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पश्चिम बंगाल में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने मां, माटी और मानुष की चिंता नहीं की। जेपी नड्डा ने कहा कि बंगाल में ममता दीदी की सरकार मां, माटी, मानुष के नाम पर आई थी। लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि ममता जी ने ना मां की चिंता की, ना माटी की और ना ही मानुष की चिंता की। नड्डा ने आगे कहा कि टीएमसी के गुंडों ने इस क्षेत्र में फिर से राजनीतिक हिंसा का सहारा लिया। यह उस मुद्दे को राजनीतिक और लोकतांत्रिक साधनों से हल करने का समय है। उन्होंने कहा कि ममता जी आपने बंगाल को 10 साल पिछड़ा रखा है और बंगाल को 10 साल पीछे कर दिया। अब आपके जाने की बारी है।

योगी सरकार उठाएगी कोरोना संक्रमितों के इलाज का खर्च, कोई भी अस्पताल मरीज को नहीं कर सकता वापस

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में बढ़ते कोरोना वायरस संक्रमण के मामले के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि कोई भी अस्पताल मरीज को वापस नहीं करेगा। अगर सरकारी अस्पताल में बेड नहीं है तो निजी अस्पताल में मरीज को भेजा जाएगा और पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने कहा कि फिलहाल प्रदेश में इस वक्त सैनिटाइजेशन का काम चल रहा है। डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि कल से प्रदेश में 2,500 मामले कम आए हैं और टेस्ट की संख्या भी बढ़ी है। अब तक 97,79,846 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज़ लग गई है। इनमे से 19,97,363 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज़ लगी है। रेमडेसिविर दवा भी हमें पर्याप्त मात्रा में मिलने लगी है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे में प्रदेश में कोविड़ 19 के 35,614 नए मामले सामने आए हैं। 25,633 लोग डिस्चार्ज हुए। सक्रिय मामलों की कुल संख्या 2,97,616 है। अब तक कुल 11,165 लोगों की मृत्यु हुई है। कल प्रदेश में 2,29,578 सैंपल की जांच की गई।

भारत ने सबसे तेजी से 14 करोड़ कोविड-19 रोधी टीके लगाए: सरकार

नयी दिल्ली। भारत दुनिया में अपने नागरिकों को सबसे तेजी से 14 करोड़ कोविड रोधी टीकों की खुराक लगाने वाला देश बन गया है और उसने महज 99 दिनों में इसे अंजाम दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से रविवार को यह जानकारी दी गई। मंत्रालय ने सुबह सात बजे तक की शुरुआती रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश में हुए कुल टीकाकरण में से 58.83 प्रतिशत टीके आठ राज्यों – महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और केरल– में लगाए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अब तक देश भर में 20,19,263 सत्रों में कुल 14,09,16,417 टीके की खुराक दी गईं।

तमिलनाडु से आंध्र प्रदेश और तेंलगाना हो रही ऑक्सीजन की आपूर्ति रोकें पीएम: पलानीस्वामी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने रविवार को कहा कि राज्य से 80 मीट्रिक तरल ऑक्सीजन आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को भेजी जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि राज्य में बढ़ते मामलों के मद्देनजर इसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय योजना के तहत तमिलनाडु को आवंटित ऑक्सीजन 'अपर्याप्त' और 'गलत' है और इसे दूसरे राज्यों को भेजने से 'बड़ा संकट उत्पन्न' हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑक्सीजन पर निर्भर कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की बढ़ती संख्या की वजह से मेडिकल ऑक्सीजन की मांग बढ़ी है और इसलिए तमिलनाडु में इसकी प्रर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा कि राज्य सरकार संक्रमितों की संख्या को कम करने के लिए सभी प्रयास कर रही है लेकिन मौजूदा परिपाटी को देखते हुए तमिलनाडु को जल्द ही 450 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत होगी जो राज्य की उत्पादन क्षमता 400 मीट्रिक टन से अधिक है।

पूरी दिल्ली में फैबीफ्लू और ऑक्सीजन सिलेंडर बांटेगी गौतम गंभीर की फाउंडेशन

नयी दिल्ली। भाजपा सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि उनकी फाउंडेशन राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 मरीजों को एंटी वायरल दवा 'फैबीफ्लू' और ऑक्सीजन सिलेंडर बांटेगी। दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं जिस वजह से चिकित्सा अवसंरचना चरमरा गई है। पहले गंभीर के निर्वाचन क्षेत्र पूर्वी दिल्ली में ही कोविड-19 मरीजों को दवाई और सिलेंडर दिए जा रहे थे। पूसा रोड और जागृति एन्क्लेव में स्थित गंभीर के दफ्तरों से दवाई और ऑक्सीजन सिलेंडर लेने के लिए डॉक्टर का पर्चा और आधार कार्ड की जरूरत होगी।

देश एक बार फिर एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है: पीएम मोदी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। अपने कार्यक्रम मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना की पहली वेव का सफलतापूर्वक मुकाबला करने के बाद देश हौसले और आत्मविश्वास से भरा हुआ था लेकिन इस तूफान (दूसरी वेव) ने देश को झकझोर दिया है। इस समय हमें इस लड़ाई को जीतने के लिए विशेषज्ञों और वैज्ञानिक सलाह को प्राथमिकता देनी है। राज्य सरकार के प्रयत्नों को आगे बढ़ाने में भारत सरकार पूरी शक्ति से जुटी हुई है। राज्य सरकारें भी अपना दायित्व निभाने की पूरी कोशिश कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं आपसे मन की बात एक ऐसे समय कर रहा हूं जब कोरोना हम सभी के धैर्य हम सभी के दुख बर्दाश्त करने की सीमा की परीक्षा ले रहा है। बहुत से अपने हमें असमय छोड़कर चले गए। मैं आप सबसे आग्रह करता हूं, आपको अगर कोई भी जानकारी चाहिए हो, कोई और आशंका हो तो सही सोर्स से ही जानकारी लें। आपके जो फैमली डॉक्टर हो, आस-पास के डॉक्टर हों, आप उनसे फोन से संपर्क करके सलाह लीजिए। उन्होंने कहा कि कोरोना के इस संकट काल में वैक्सीन की अहमियत सभी को पता चल रही है, इसलिए मेरा आग्रह है कि वैक्सीन को लेकर किसी भी अफवाह में न आएं। मोदी ने कहा कि भारत सरकार की तरफ से मुफ्त वैक्सीन का जो कार्यक्रम अभी चल रहा है, वो आगे भी चलता रहेगा। मेरा राज्यों से भी आग्रह है कि वो भारत सरकार के इस मुफ्त वैक्सीन अभियान का लाभ अपने राज्य के ज्यादा से ज्यादा लोागें तक पहुंचाएं। जैसे आज हमारे Medical Field के लोग, Frontline Workers दिन-रात सेवा कार्यों में लगे हैं। वैसे ही समाज के अन्य लोग भी, इस समय, पीछे नहीं हैं। देश एक बार फिर एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

कोरोना की ताजा लहर के 'तूफान' से जल्द ही बाहर निकलेगा देश: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि कोरोना की पहली लहर का सफलतापूर्वक मुकाबला करने के बाद देश आत्मविश्वास से भरा हुआ था लेकिन इसकी ताजा लहर के 'तूफान' ने देश को झकझोर कर रख दिया है। हालांकि उन्होंने जल्द ही देश के इस आपदा से बाहर निकलने की उम्मीद जताई। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 76वीं कड़ी को प्रधानमंत्री ने पूरी तरह कोरोना महामारी पर केंद्रित रखा और कहा कि आज सबसे बड़ी प्राथमिकता इस बीमारी को हराना है और इसके लिए देशवासियों को सकारात्मक भाव बनाए रखना है तथा विशेषज्ञों और वैज्ञानिक सलाह को प्राथमिकता देना है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों को कोविड-19 रोधी टीकों को लेकर चल रही अफवाहों से भी आगाह किया और कहा कि केंद्र सरकार पात्र नागरिकों को निःशुल्क टीका देती रहेगी। मोदी ने कहा, ''आज आपसे 'मन की बात' ऐसे समय कर रहा हूं जब कोरोना हम सभी के धैर्य, हम सभी के दुःख बर्दाश्त करने की सीमा की परीक्षा ले रहा है। बहुत से अपने हमें असमय, छोड़कर चले गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''कोरोना की पहली लहर का सफलतापूर्वक मुकाबला करने के बाद देश हौसले से भरा हुआ था, आत्मविश्वास से भरा हुआ था लेकिन इस तूफान ने देश को झकझोर दिया है।''

उल्लेखनीय है कि रविवार को भारत में एक दिन में कोविड-19 के रिकॉर्ड 3,49,691 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही संक्रमण के मामले बढ़कर 1,69,60,172 पर पहुंच गए जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 26 लाख के पार चली गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संक्रमण के कारण पिछले 24 घंटों में 2,767 लोगों की मौत होने से मृतकों की कुल संख्या 1,92,311 पर पहुंच गई है। देश में कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने का सिलसिला थम नहीं रहा है और देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 26,82,751 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 15.82 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की दर गिरकर 83.05 प्रतिशत रह गई है। आंकड़ों के अनुसार इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1,40,85,110 हो गई है जबकि मृत्यु दर गिरकर 1.13 प्रतिशत रह गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों इस संकट से निपटने के लिए उन्होंने देश के चिकित्सा जगत से लेकर दवा निर्माताओं और टीका निर्माताओं सहित अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों से चर्चा की और इस दौरान उन्होंने सरकार को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा, ''इस समय हमें इस लड़ाई को जीतने के लिए विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की सलाह को प्राथमिकता देनी है।'' मोदी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में राज्य सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाने में केंद्र सरकार पूरी शक्ति से जुटी हुई है और राज्यों की सरकारें भी अपना दायित्व निभाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिए ''सकारात्मक भाव'' बहुत ज्यादा जरूरी है और देशवासियों को इसे बनाए रखना है। उन्होंने कहा, ''कोरोना के इस संकट काल में टीके की अहमियत सभी को पता चल रही है, इसलिए मेरा आग्रह है कि टीकेको लेकर किसी भी अफ़वाह में न आएं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार की तरफ से सभी राज्य सरकारों को मुफ्त टीके भेजे गए हैं जिसका लाभ 45 साल की उम्र के ऊपर के लोग ले सकते हैं और अब एक मई से देश में 18 साल के ऊपर के हर व्यक्ति के लिए टीके उपलब्ध होने वाले हैं।

18 साल से अधिक उम्र के सभी युवाओं का टीकाकरण करवाएगी सरकार: गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को घोषणा की कि राज्य में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण राज्?य सरकार अपने खर्च पर करवाएगी। उन्होंने कहा कि राज्?य सरकार इस पर लगभग 3000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। राज्?य सरकार ने एक मई से शुरू होने वाले टीकाकरण के लिए दवा कंपनियों को आर्डर देना शुरू कर दिया है। गहलोत ने कहा कि राज्?य में 18 से 45 वर्ष की आयु वर्ग के करीब 3 करोड़ 75 लाख व्यक्ति हैं। इन सभी व्यक्तियों को टीके की दो खुराक लगाने के लिए राज्य सरकार करीब 3 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। उन्होंने एक बयान में कहा कि राज्?य के स्वास्थ्य विभाग ने टीकाकरण के काम को बखूबी किया है। यही वजह है कि देश के बड़े राज्यों में राजस्थान टीकाकरण में पहले स्थान व पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में निशुल्क दवा जांच योजना के साथ तथा चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा जैसी निशुल्क इलाज की योजनाएं चलाई जा रही हैं।

राज्य सरकार 'निरोगी राजस्थान' के संकल्प के साथ राज्य को 'जीरो कॉस्ट हेल्थ सिस्टम' वाले प्रदेश के रूप में विकसित कर रही है। उल्लेखनीय है कि गहलोत कई दिनों से केंद्र सरकार से मांग कर रहे थे कि वह 18 साल से अधिक आयु के युवाओं के टीकाकरण का खर्च भी उठाए। गहलोत ने बताया कि 22 अप्रैल को उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर भी आग्रह किया कि 60 वर्ष एवं 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की तरह ही 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युवाओं को भी निशुल्क टीके लगाए जाएं। इसके लिए केन्द्र सरकार दवा कंपनियों से टीके खरीद कर राज्यों को वितरित करे, जिससे राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय भार ना पड़े, लेकिन केन्द्र सरकार ने अभी तक इस मांग को स्वीकृति नहीं दी है। गहलोत ने कहा कि केन्द्र सरकार ने अपने बजट में टीकाकरण के लिए 35 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। इससे राज्यों में स्पष्ट संदेश गया कि टीकाकरण का पूरा खर्च केन्द्र सरकार उठाएगी।

इसके कारण राज्यों ने अपने बजट में टीकाकरण के लिए अतिरिक्त प्रावधान नहीं किए, लेकिन अब केन्द्र सरकार ने राज्यों के ऊपर टीकाकरण का जिम्मा छोड़ दिया है। इससे राज्यों को अपने विकास कार्यों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में कटौती कर टीकाकरण के लिए कोष आवंटित करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र के माध्यम से वैक्सीन कंपनियों द्वारा राज्य और केन्द्र सरकार को एक ही दर 150 रुपये प्रति डोज पर वैक्सीन उपलब्ध करवाने की मांग की थी। गहलोत ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कि वैक्सीन निर्माता कंपनियों द्वारा यूरोपीय संघ के देशों के साथ-साथ ब्रिटेन, ब्राजील, बांग्लादेश, अमेरिका, दक्षिणी अफ्रीका व सऊदी अरब आदि को टीके भारत से कम कीमत पर उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कंपनियों द्वारा देश में टीके की अधिक कीमत वसूल करना तर्कसंगत भी प्रतीत नहीं होता है, इसलिए केंद्र सरकार को टीका कंपनियों को निर्देशित कर टीके की कीमत कम करवानी चाहिए।

पहले टीके को लेकर भय पैदा करने वाले अब कीमत पर भ्रम पैदा कर रहे हैं: नकवी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग पहले कोरोना के स्वदेशी टीकों के प्रभाव पर भय पैदा कर रहे थे, वो अब टीकों की कीमत पर भ्रम पैदा कर रहे हैं। उन्होंने महावरी जयंती के अवसर पर आयोजित डिजिटल 'सर्वधर्म सम्मेलन' में यह भी कहा कि सभी को संकट के समाधान का हिस्सा बनना चाहिए, भय और भ्रम का किस्सा नहीं गढ़ना चाहिए। इस सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विभिन्न धर्मगुरु शामिल हुए। नकवी ने कहा, 'कोरोना के खिलाफ लड़ाई में 'घबराहट' नहीं, 'बचाव, सावधानी, उपचार, ध्यान' ही हमें इस संकट से बाहर निकालेगा। शमशान-कब्रिस्तान के हॉरर शो से बाहर निकल कर समाज में भरोसा और विश्वास कायम करने के संकल्प के साथ सबको काम करना होगा।'

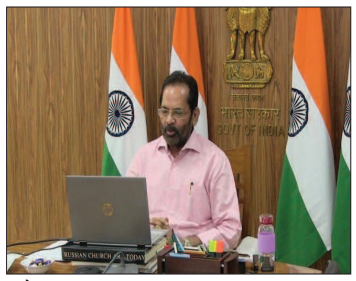

उनके मुताबिक, केंद्र सरकार 150 रुपए प्रति खुराक की दर पर दोनों स्वदेशी टीके खरीद रही है और राज्यों को पूरी तरह निःशुल्क दे रही है नकवी ने कहा, ''अभी तक देश भर में 13 करोड़ 83 लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है। आज देश भर में 73 हजार 600 टीकाकरण केंद्र चल रहे हैं। लाखों लोगों को प्रतिदिन टीका लगाया जा रहा है।'' केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया, ''आज देश-दुनिया संकट और परीक्षा की घड़ी से गुजर रही है। इस आपदा को आफत बनने से रोकने में भगवान महावीर के सन्देश-सबक महत्वपूर्ण हैं।'' नकवी ने कहा कि भगवान महावीर का पंचशील का सिद्धांत-- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य-- दुनिया के संकट का समाधान बन सकता है। जियो और जीने दो , यह वाक्य नहीं-विचार नहीं बल्कि मानव जीवन को सार्थक बनाने का सार है।

अब नहीं होगी ऑक्सीजन की कमी, पीएम केयर्स फंड से बनेंगे 551 प्लांट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और इसके मद्देनजर अस्पतालों में तेज होती ऑक्सीजन की मांग के के मद्देनजर प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपात राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) से देश के विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य केंद्रों में 551 पीएसए चिकित्सीय ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना की जाएगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में रविवार को कहा कि पीएम केयर्स कोष ने इन संयंत्रों की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने इन संयंत्रों को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इन संयंत्रों से जिला स्तर पर ऑक्सीजन की उपलब्धता को बल मिलेगा।

इन संयंत्रों की स्थापना विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के जिला मुख्यालयों में चिह्नित अस्पतालों में की जाएगी और केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय यह काम करेगा। पीएम केयर्स कोष से इससे पहले से देश के विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य केंद्रों में 162 पीएसए चिकित्सीय ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना के लिए 201.58 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। उल्लेखनीय है कि 27 मार्च 2020 को कोविड-19 महामारी जैसी किसी भी तरह की आपातकालीन या संकट की स्थिति से निपटने के प्राथमिक उद्देश्य से एक समर्पित राष्ट्रीय निधि की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और उससे प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 'आपात स्थितियों में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष (पीएम केयर्स फंड)' के नाम से एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट बनाया गया था।

लोगों की रुचि कोविड की बात में है, न कि मन की बात में: ममता बनर्जी

बहरमपुर (प.बंगाल)। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि लोगों की रुचि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में नहीं है, बल्कि इसकी जगह वे 'कोविड की बात' सुनना चाहते हैं क्योंकि महामारी में ऑक्सीजन और टीके की कमी की वजह से जीवन मुश्किल हो गया है। इससे पहले मोदी ने आज अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि कोविड-19 की लहर ने देश को हिला दिया है और लोगों को टीकाकरण कराना चाहिए।

मुर्शिदाबाद जिले के सभागार में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान बनर्जी ने कहा कि मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ''उस समय बंगाल पर कब्जा करने की योजना बनाने में व्यस्त थे जब कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर को नियंत्रित करने के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए थे।'' बनर्जी ने कहा, ''किसकी 'मन की बात' में रुचि है, अब लोग 'कोविड की बात' सुनना चाहते हैं। अगर एक हजार लोगों की भीड़ में एक संक्रमित है तो वह सभी को संक्रमित कर सकता है। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के दो लाख जवान उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली जैसे राज्यों से आए और वे अनजाने में वायरस के वाहक हो सकते हैं क्योंकि निर्वाचन आयोग द्वारा उनकी आरटी-पीसीआर जांच नहीं कराई गई।

ऑक्सीजन और कोरोना की दवाओं के आयात को गति देने के लिए पीएम की पहल पर सीबीआइसी ने उठाए अहम कदम

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

ऑक्सीजन और कोरोना से संबंधित दवाओं के आयात को गति देने के लिए सरकार किसी मोर्चे पर कोताही नहीं बरतना चाह रही है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने ऐसी वस्तुओं के आयातकों के लिए एक पन्ने का ऑनलाइन फार्म उपलब्ध कराया है। कस्टम्स क्लियरेंस में किसी तरह की देरी की स्थिति में उन्हें इस फार्म में आयातित वस्तु और उसके उपयोग की जानकारी देनी होगी। सीबीआइसी कस्टम्स ड्यूटी एवं क्लियरेंस की जिम्मेदारी संभालने वाली सर्वोच्च इकाई है।

क्लियरेंस की प्रक्रिया तेज की जाएगी

आयातकों से एक लिंक साझा करते हुए सीबीआइसी ने ट्वीट किया, 'आयातक ध्यान दें, कोरोना से संबंधित उपकरणों एवं मेडिकल से जुड़ी वस्तुओं के आयात में किसी भी तरह की मुश्किल आए तो लिंक पर जाकर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएं, क्लियरेंस की प्रक्रिया तेज की जाएगी।'

फार्म में आयातित वस्तु का विवरण और उसके इस्तेमाल की जानकारी उपलब्ध करानी होगी

जल्द क्लियरेंस के लिए आयातकों को पहले से जानकारी देनी होगी। उन्हें फार्म में बिल नंबर, हवाई अड्डे या बंदरगाह की जानकारी, वस्तु का विवरण और उसका इस्तेमाल बताना होगा। सीबीआइसी ने कारोबारियों की मदद के लिए नोडल अधिकारियों के नाम और नंबर भी सार्वजनिक किए हैं, साथ ही सभी कस्टम्स जोन के अधिकारियों को कहा गया है कि ऐसी वस्तुओं की क्लियरेंस न्यूनतम संभव समय में की जाए।

कस्टम्स ने नोडल अधिकारियों से कहा- क्यिलरेंस को गति दें

दिल्ली कस्टम्स (एयर कार्गो कांप्लेक्स इंपोर्ट कमिश्नरेट) ने भी एक सार्वजनिक सूचना में अपने नोडल अधिकारियों को दवाओं व अन्य जरूरी वस्तुओं की क्यिलरेंस को गति देने के लिए कहा है।

कोरोना वैक्सीन, मेडिकल ऑक्सीजन और उपकरणों पर आयात शुल्क हटाने का एलान

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने एक दिन पहले ही कोरोना वैक्सीन, मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन और संबंधित उपकरणों पर आयात शुल्क हटाने का एलान किया है। साथ ही कस्टम्स अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जीवन रक्षक दवाओं और ऑक्सीजन से संबंधित उपकरणों के आयात कंसाइनमेंट की क्लियरेंस को प्राथमिकता दें।

पीएम मोदी ने वैक्सीन पर 10 फीसद शुल्क हटा दिया

एक समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्व विभाग को भी ऐसी वस्तुओं का निर्बाध आयात सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। जिन वस्तुओं पर शुल्क हटाने का एलान किया गया है, उन पर पांच से 15 फीसद तक का आयात शुल्क और पांच फीसद का हेल्थ सेस लग रहा था। वैक्सीन पर 10 फीसद शुल्क था, जिसे अभी हटा दिया गया है।

शुरू हुआ डीपीआइआइटी का कंट्रोल रूम

उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) ने महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं के कारोबार, डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। एक अधिकारी ने बताया कि कंट्रोल रूम ने शनिवार को काम करना शुरू किया और दिन 12 शिकायतें सुनीं। इनका निराकरण किया जा रहा है। पहले दिन महाराष्ट्र से छह, मध्य प्रदेश से तीन, दिल्ली से दो और कर्नाटक से एक शिकायत मिली। अधिकारी ने बताया कि शिकायतों को संबंधित राज्य सरकारों तक पहुंचा दिया गया है और उनका निराकरण किया जा रहा है। ज्यादातर शिकायतें लॉजिस्टिक्स और एक से दूसरे राज्य में परिवहन की अनुमति से जुड़ी थीं।

राज्यों की पाबंदियों से निर्यात पर असर

इस बीच, इंजीनियरिंग निर्यातकों के संगठन ईईपीसी ने कहा है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण राज्यों में स्थानीय स्तर पर लगी पाबंदियों से निर्यात प्रभावित हो सकता है। सर्वाधिक दुष्प्रभाव एमएसएमई पर देखने को मिलेगा। इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में आए सुधार ने उम्मीद की किरण दिखाई है, लेकिन महामारी की दूसरी लहर ने फिर खतरा पैदा कर दिया है। संक्रमण को थामने के लिए कई राज्य अपने स्तर पर पाबंदियां लगा रहे हैं, जिससे निर्यात प्रभावित होगा। काउंसिल ने कहा कि महामारी के खतरे को कम करने के लिए सरकार को टीकाकरण की गति बढ़ाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

सार समाचार

कोविड-19 मरीजों का इलाज कर रहे बगदाद के अस्पताल में लगी आग, 15 की मौत

बगदाद। कोरोना वायरस के मरीजों का इलाज कर रहे बगदाद के एक अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग लगने के कारण शनिवार देर रात 15 लोगों के मारे जाने की सूचना है। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की और इब्न अल-खातिब अस्पताल से मरीजों को बाहर निकाला। इस अस्पताल के आईसीयू में कोविड-19 के गंभीर मरीजों का इलाज किया जा रहा था। घटनास्थल पर मौजूद डॉ. सबा अल-कुजे ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि कितने लोग मारे गए हैं, अस्पताल में कई जगह जले हुए शव हैं।'' चिकित्सा और सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार 15 लोगों के मारे जाने के अलावा कम से कम 36 लोग घायल हैं। ईराकी अधिकारियों ने हताहतों की आधिकारिक संख्या जारी नहीं की है। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि आग लगने के वक्त अस्पताल में कम से कम 120 मरीज मौजूद थे। ऐसा बताया जा रहा है कि आग अस्पताल में कम से कम एक ऑक्सीजन सिलेंडर के फटने से लगी। इराक में कोविड-19 के रोज 8,000 से अधिक नए मामले आ रहे हैं। सरकार लोगों से टीका लगवाने का अनुरोध कर रही है लेकिन देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और टीकों पर भरोसा न होने के कारण लोग आगे नहीं आ रहे हैं।

सबमें फैलाऊंगा कोरोना...जानबूझकर इस शख्स ने 22 लोगों में फैलाया वायरस, फिर जानें क्या हुआ

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कहर से पूरी दुनिया जूझ रही है। चारों तरफ तबाही का मंजर देखने के बाद भी कुछ लोग जानबूझकर अपनी हरकतों से खुद की जिंदगी तो खतरे में डाल ही रहे हैं, दूसरों को भी मौत के मुंह में धकेलने से बाज नहीं आ रहे। दरअसल, स्पेन में 40 वर्षीय एक शख्स को 22 लोगों में कोरोना संक्रमण फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। स्पेन की पुलिस ने जानकारी दी कि मलोर्का शहर से शनिवार को इस 40 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया गया है। यह शख्स कोरोना पॉजिटिव है और उसने जानबूझकर 22 लोगों में कोरोना फैलाया है। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। यूरो न्यूज के मुताबिक, कोरोना वायरस के लक्षण होने और आरटी-पीसीआर टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के बाद भी यह आदमी सामान्य जीवन जीता रहा। उसके ऑफिस के सहकर्मियों ने पुलिस को बताया कि वह 40 डिग्री सेल्यियस बुखार में ही काम करने जाता था। पुलिस ने बताया कि उसने अपने वर्कप्लेस यानी दफ्तर में जोर से खांसी की, अपने चेहरे से मास्क हटाया और लोगों से बोला कि वह सबको कोरोना वायरस फैलाएगा। पुलिस ने बताया कि उसने आठ लोगों में प्रत्यक्ष तौर पर कोरोना संक्रमण फैलाया, जबकि उससे 14 और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कोरोना हुआ। पुलिस के मुताबिक, उसके जरिये जिन लोगों को कोरोना हुआ है, वह उनके दफ्तर और जिम के लोग हैं। हैरानी का बात यहां यह है कि जिन लोगों को इस शख्स से कोरोना हुआ है, उनमें से तीन बच्चे हैं, जिनकी उम्र अभी महज एक साल ही हैं। बता दें कि स्पेन में भी कोरोना का कहर काफी ज्यादा देखा गया।

किसान आंदोलन पर विवादित टवीट करने वालीं ग्रेटा थनबर्ग ने अब भारत में कोरोना को लेकर क्या कहा?

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने तबाही मचा दी है। हर दिन कोरोना नया रिकॉर्ड बना रहा है और देश को मुश्किल हालातों में डाल रहा है। इस बीच कोरोना से जूझ रहे भारत को लेकर किसान आंदोलन के दौरान अपने ट्वीट की वजह से चर्चा में रहीं क्लाइमेट चेंज एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग की प्रतिक्रिया आई है। पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने शनिवार को वैश्विक समुदाय से आगे आने और भारत को संकट से बाहर निकालने में मदद करने की अपील की है। थनबर्ग ने कहा कि भारत में चल रहा कोरोना वायरस संकट 'हृदयविदारक' है। 18 वर्षीय क्लाइमेट चेंज एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग ने शनिवार को ट्वीट किया, 'भारत में हाल के घटनाक्रमों को देखकर दिल दुखी है। विश्व समुदाय को आगे आकर तुरंत मदद करना चाहिए।' अपने ट्वीट के साथ, थनबर्ग ने भारत के मौजूदा स्वास्थ्य संकट के बारे में एक समाचार रिपोर्ट साझा की है, जिसमें देश में हर दिन 3 लाख से अधिक मामलों की बात कही गई है। पिछले एक सप्ताह से देश में कोरोना वायरस की बड़ी छलांग देखने को मिली है और इसी की वजह से राजधानी दिल्ली समेत देशभर में ऑक्सीजन, बेड और रेमडेसिविर को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। हर दिन ऑक्सीजन की कमी की वजह से मौतें हो रही हैं। शनिवार को भी दिल्ली के जयपुर गोल्डन अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से 25 लोगों ने दम तोड़ दिया। इधर, देश में कोरोना की दूसरी लहर हर दिन अपने ही बनाए रिकॉर्ड ध्वस्त कर रही है। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, शनिवार रात 12 बजे तक कोरोना के 349,313 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 1,69,51,621 पर पहुंच गए, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 26 लाख से अधिक हो गई है। देश में लगातार तीन-चार दिनों से कोरोना के एक दिन में तीन लाख से अधिक मामले आ रहे हैं। वहीं, एक दिन में 2,760 संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,92,309 हो गई है।

भारत को अधिक कोविड-19 टीके नहीं भेजने पर बाइडन प्रशासन की आलोचना

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत जब अपने सबसे बुरे जन स्वास्थ्य संकट को झेल रहा है तब ऐसे समय में उसे अधिशेष कोविड-19 टीके नहीं भेजने के लिए बाइडन प्रशासन कई वर्गों की आलोचना का सामना कर रहा है। आलोचना करने वालों में डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य एवं समर्थक भी शामिल हैं। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बाइडन प्रशासन से उन देशों के लिए एस्ट्राजेनेका टीके की खुराकें देने का आग्रह किया है जो फिलहाल कोविड-19 के घातक रूप से बढ़ते मामलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब भारत और दूसरी जगहों पर लोगों को मदद की बहुत जरूरत है तब हम टीकों को गोदाम में यूं ही नहीं रख सकते हैं, हमें उन्हें वहां पहुंचाना होगा जहां उनसे जानें बच सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'अमेरिका के भंडार में हमारे पास एस्ट्राजेनेका टीके की करीब चार करोड़ खुराकें पड़ी हैं, ऐसा भंडार जिसका हम इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं और जो हमने मेक्सिको और कनाडा में कोविड-19 से लड़ने के लिए पहले ही खोल दिया है।'

कृष्णमूर्ति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरस के प्रसार को रोकने और जन स्वास्थ्य तथा हमारी अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए, अमेरिका को इन टीकों को बाहर भेजने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'मैं पूरे सम्मान लेकिन दृढ़ता से बाइडन प्रशासन से एस्ट्राजेनेका की लाखों खुराकों को कोविड-19 से अत्यधिक प्रभावित देशों को भेजने की अपील करता हूं जिनमें भारत, अर्जेंटीना और संभवतः अन्य देश शामिल हैं।' शनिवार को भारत में कोरोना वायरस के 3,46,786 मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के कुल मामले 1,66,10,481 हो गए जबकि 25 लाख से अधिक मरीज अब भी संक्रमण की चपेट में हैं। ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूट की तन्वी मदान ने एक ट्वीट में कहा कि बाइडन प्रशासन पिछले कुछ महीनों में अर्जित साख को गंवा रहा है। मदान ने कहा 'भारत के लोगों ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और ईरानी विदेश मंत्री के ट्वीट देखे हैं, रूस और चीन से मदद की पेशकश देखी है--ऐसे देश से भी जिससे उसकी शत्रुता है लेकिन उसे अमेरिका के किसी वरिष्ठ अधिकारी की तरफ से कोई पेशकश नहीं मिली है। बाइडन प्रशासन पिछले कुछ महीनों में हासिल साख को गंवा रहा है।' बाइडन के राष्ट्रपति चुनाव अभियान का हिस्सा रही, भारतीय-अमेरिकी सोनल शाह ने कहा कि उन्होंने भारत में अपने परिवार के पांच सदस्यों को खो दिया है।

शाह ने कहा, 'भारत में कोविड संकट बहुत भयावह है और यह अगर इससे भी ज्यादा भयावह हुआ तो यह एक मानवीय संकट बन जाएगा। हमारी सरकार को कुछ करने की जरूरत है। यह बहुत जल्द अन्य देशों में भी फैल जाएगा।' हेरिटेज फाउंडेशन थिंक टैंक के जेफ एम स्मिथ ने कहा कि यह याद करना बहुत जरूरी है कि जब न्यूयॉर्क और अमेरिका के अन्य हिस्से 2020 के अंत में जन स्वास्थ्य आपदा का सामना कर रहे थे तब भारत सरकार ने घरेलू स्तर पर तमाम आलोचनाएं झेलने के बावजूद हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन दवा पर से निर्यात प्रतिबंध हटा लिया था। अमेरिका के एक शीर्ष जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ आशीष के झा ने वाशिंगटन पोस्ट में लिखा,

'भारत में कोरोना वायरस की लहर उसकी स्वास्थ्य व्यवस्था को चरमरा देगी। अमेरिका मदद कर सकता है।' उन्होंने लिखा, 'अमेरिका, विश्व के प्राचीनतम लोकतंत्र की बारी है कि वह इस प्रमुख वैश्विक सहयोगी की मदद के लिए आगे आए।' अंतराराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि वह भारत में गहराते स्वास्थ्य संकट से बहुत ज्यादा व्यथित हैं।

देश में कोरोना से तबाही के बीच पाकिस्तान ने की मदद की पेशकश, वेंटिलेटर समेत कई उपकरण देने का दिया ऑफर

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में कोरोन वायरस की दूसरी लहर से मचे हाहाकार को देखते हुए पाकिस्तान ने मदद की पेशकश की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शनिवार की रात एक ट्वीट कर कहा कि कोरोना वायरस की वर्तमान लहर के मद्देनजर भारत के लोगों के साथ एकजुटता के संकेत के रूप में, पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर राहत व समर्थन की पेशकश की है।

बता दें कि पाकिस्तान सरकार की ओर से मदद की पेशकश से पहले ईदी फाउंडेशन सामने आया था। इस फाउंडेशन ने भारत में कोरोना से जूझ रहे लोगों की मदद करने का ऑफर दिया। ईदी फाउंडेशन के चेयरमैन फैसल ईदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखकर भारत में अपनी टीम को भेजकर मदद की पेशकश की थी।

शाह महमूद कुरैशी ने ट्वीट करते हुए कहा 'कोविड-19 की वर्तमान लहर के मद्देनजर भारत के लोगों के साथ एकजुटता के संकेत के रूम में, पाकिस्तान ने वेंटिलेटर, बीए पीएपी, डिजिटल एक्स रे मशीन, पीपीई और अन्य संबंधित वस्तुओं सहित भारत को आधिकारिक तौर पर राहत व समर्थन की पेशकश की है। हम मानवता पहले की नीति में विश्वास करते हैं।'

इमरान खान ने एकजुटता व्यक्त की थी

शनिवार को ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने ट्वीट कर एकजुटता व्यक्त की थी लेकिन उन्होंने किसी प्रकार की मदद की पेशकश नहीं की थी। इमरान खान ने अपने ट्वीट में लिखा था 'मैं भारत के लोगों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करना चाहता हूं क्योंकि वे कोरोना की खतरनाक लहर से लड़ रहे हैं। हम हमारे पड़ोस और दुनिया में महामारी से पीड़ित सभी लोगों के शीघ्र ठीक होने की कामना करते हैं। हमें मानवता के साथ मिलकर इस वैश्विक चुनौती से लड़ना चाहिए।'

50 एंबुलेंस के साथ भारत आने की पेशकश

उन्होंने कहा है कि उनकी टीम के वॉलंटियर्स 50 एम्बुलेंसेस के साथ भारत में आकर लोगों की इस महामारी से लड़ने में मदद करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे लेटर में फैसल ने कहा है, 'भारत में महामारी का जो असाधारण प्रभाव पड़ा है, उसके बारे में सुनकर हमें बहुत अफसोस हुआ है, वहां भारी संख्या में लोग काफी कष्ट झेल रहे हैं.... हम 50 एम्बुलेंसों के बेड़े के रूप में मदद करना चाहेंगे।'

पाकिस्तान के सबसे बड़े चैरिटेबल एंबुलेंस का चलाता है नेटवर्क

बता दें कि फैसल ईदी पाकिस्तान में सबसे बड़े चैरिटेबल एम्बुलेंस का नेटवर्क चलाते हैं। इसी फाउंडेशन की मदद से कुछ सालों पहले पाकिस्तान से भारत गीता वापस आई थी। गीता पाकिस्तान में तकरीबन 15 सालों तक रही थी, जिसके बाद कई लोगों की मदद के बाद वह वापस भारत आ सकी थी।

कोरोना की घातक लहर के बीच भारत को तेजी से अतिरिक्त मदद देगा अमेरिका: ब्लिंकेन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कहा है कि उनका देश कोविड-19 के भयावह प्रकोप के बीच भारत को और उसके स्वास्थ्य नायकों को तेजी से अतिरिक्त मदद देगा। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब बाइडन प्रशासन पर कोविड-19 टीकों समेत अन्य जीवनरक्षक चिकित्सा आपूर्ति भारत को भेजने के लिए दबाव बढ़ गया है। ब्लिंकेन ने रविवार रात एक ट्वीट में कहा, 'कोविड-19 के भयावह प्रकोप के बीच हमारी सहानुभूति भारत के लोगों के साथ है।' उन्होंने कहा, 'हम भारत सरकार में हमारे साझेदारों के साथ करीब से काम कर रहे हैं और भारत के लोगों तथा भारतीय स्वास्थ्य देखभाल नायकों को तेजी से अतिरिक्त सहायता भेजेंगे।''अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि अमेरिका भारत में कोविड के गंभीर प्रकोप से बहुत चिंतित है। सुलिवन ने कहा, ÷हम इस वैश्विक महामारी से बहादुरी से लड़ रहे भारत के अपने दोस्तों और साझेदारों को अधिक सहायता एवं आपूर्ति भेजने के लिए हर वक्त काम कर रहे हैं। बहुत जल्द और अधिक मदद भेजी जाएगी।' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शुक्रवार को कहा था कि संकट से निपटने में भारत की मदद के लिए अमेरिका राजनीतिक एवं विशेषज्ञ दोनों स्तर पर भारतीय अधिकारियों के साथ करीब से काम कर रहा है।

इन पांच पांबदियों का पंच बनाकर ब्रिटेन ने दी कोरोना को मात, क्या भारत में ऐसा संभव नहीं?

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर तबाही मचा रही है पर ब्रिटेन की दूसरी लहर भी बहुत ज्यादा खतरनाक थी, जिससे ब्रिटेन तेजी से कामयाब होकर निकला। आज ब्रिटेन दुनिया के उन चंद बड़े देशों में से एक है, जहां तेजी से संक्रमण घटने लगा है। आइए जानते हैं कि आखिर ब्रिटेन किन तरीकों को अपनाकर सफल हुआ। क्या भारत भी अगर ब्रिटेन की राह पर चले तो क्या कोरोना को मात दिया जा सकता है?

भारत की तरह नए स्ट्रेन ने मचायी थी तबाही

ब्रिटेन की दूसरी लहर के पीछे का कारण नया कोरोना वेरिएंट बी117 था। कोरोना वायरस के अनुवांशिक तत्वों में होने वाले परिवर्तन से यह वेरिएंट विकसित हुआ, जो 70 प्रतिशत ज्यादा संक्रामक था। दिसंबर आते-आते अकेले लंदन में इस वेरिएंट से संक्रमित होने वालों की तादाद 62प्र. हो गई। इस संस्करण वाला कोरोना वायरस भारत, अमेरिका, अफ्रीका और अमेरिका में भी फैला। जनवरी के पहले सप्ताह में यहां हर दिन 60 से 67 हजार तक हर दिन मरीज मिल रहे थे। 20 जनवरी को यहां सबसे ज्यादा 1823 मरीजों की मौत हुई।

23 म्यूटेशन वाला कोरोना वायरस

भारत में इस वक्त दोहरे म्यूटेशन वाले कोरोना वेरिएंट के तेजी से फैलने से दूसरी लहर शक्तिशाली बन गई है। जबकि ब्रिटेन में जिस वेरिएंट के कारण दूसरी लहर आयी थी, वह 23 म्यूटेशन वाला कोरोना वायरस था। फिलहाल, भारत में कोरोना की तबाही देखने को मिल रही है। हालांकि, इसे कंट्रोल करने के लिए कुछ पाबंदियां भी लागू हैं।

तो चलिए जानेत हैं का आखिर कोरोना के कहर से कैसे बचा ब्रिटेन

1. **सख्त तालाबंदी:** जनवरी की शुरूआत में यहां सख्त राष्ट्रीय तालाबंदी की गई। तब हर दिन 60 हजार से ज्यादा मरीज आ रहे थे और मौतों में 20प्र. की वृद्धि हो चुकी थी। इस तालाबंदी के तीन माह बाद अब रोजाना केस घटकर 3 हजार से कम हो गए हैं।

2. **पहली खुराक में देरी :** तेजी से टीकाकरण कराने के लिए सरकार ने वैक्सीन की दूसरी खुराक लेने की अवधि को एक माह से बढ़ाकर तीन माह कर दिया। इससे आपूर्ति संकट का हाल निकला और तेजी से पहला टीका लगने से लोगों में अस्थायी तौर पर संक्रमण से लड़ने की क्षमता विकसित हो सकी। यहां हरसौ लोगों पर 63.02 लोगों को खुराक मिली जिससे मौतों में 95प्र. की गिरावट आयी।

3. **अस्पतालों में सख्ती :** लंदन के सेंट थॉमस अस्पताल के एमडी डॉ. निशित सूद ने बताया कि अस्पतालों में बिस्तर कम पड़ने की स्थिति से बचने के लिए अस्पताल प्रबंधकों ने सिर्फ अति गंभीर मरीज को भर्ती करने का नियम बनाया। किसी भी व्यक्ति को रसूख के कारण बेड या वेंटिलेटर देने जैसी बातों की सख्त मॉनिटरिंग हुई। उनका कहना है कि 99 फीसदी मरीज हल्के लक्षण वाले होते हैं, चिकित्सा संसाधन मात्र एक फीसद अति गंभीर लोगों के लिए बचाकर रखने चाहिए।

4. **बचाव नियमों का पालन :** सरकार ने कोविड प्रोटोकॉल का बेहद सख्ती से पालन कराने के लिए मास्क न लगाने पर भारी जुर्माना लगा दिया गया। खुली जगहों पर भी छह से अधिक लोगों को एक साथ खड़े होने पर पाबंदी लगा दी गई जिसमें बच्चे भी शामिल किए गए। बार-रेस्टोरेंट आदि को पूरी तरह टेकअवे मोड में कर दिया गया। साथ ही, एक बार पॉजिटिव रिपोर्ट आने पर दोबारा रिपोर्ट कराने वालों लोगों पर सख्त पाबंदी लगायी ताकि संसाधन बर्बाद न हों।

5. **जांचों पर ध्यान :** कोरोना संक्रमण का नया संस्करण या वेरिएंट मिलने के बाद कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, कोविड-19 की जांचें और जीनोम सीक्वेंसिंग के काम में तेजी लायी गई ताकि जितना तेजी से संक्रमण फैल रहा है, उसे उतनी तेजी से नियंत्रित किया जा सके। आवर वर्ल्ड इन डाटा के मुताबिक, ब्रिटेन में हर एक हजार आबादी पर 15.96 जांचें की जा रही हैं जबकि भारत में मात्र 1.14 जांचें हो रही हैं।

वैक्सीन लेने भारत आए ब्रिटिश अफसर कोरोना संक्रमित, ब्रिटेन बोला यह भारतीय वैरियंट

लंदन। ब्रिटेन के लिए भारत से वैक्सीन खरीदने की व्यवस्था पिछले महीने करने आए एक ब्रिटिश अधिकारी को अपने देश लौटने पर कोरोना से संक्रमित पाया गया। अब वहां चर्चा इस बात की है कि वह अधिकारी ब्रिटेन में कोरोना का कथित भारतीय वैरियंट लेकर आया है। संडे टाइम्स में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 10 डाउनिंग स्ट्रीट में सहायक डेविड क्वैरी (55) को यात्रा से पूर्व कराए गए टेस्ट में नेगेटिव पाया गया था, लेकिन जब वह एक हफ्ते बाद भारत से वापस ब्रिटेन लौटे तो नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) ने फ्लाइट में उन्हें कोरोना से संक्रमित पाया।

सीरम वैक्सीन की लाखों खुराक लेने आए थे अफसर

बोरिस जॉनसन के अंतरराष्ट्रीय मामलों के सलाहकार और उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार क्वैरी जब मार्च में भारत दौरे पर आए थे, तो वह पीएम जॉनसन की अप्रैल में प्रस्तावित यात्रा से पहले की तैयारी थी। हालांकि, पिछले ही हफ्ते प्रधानमंत्री जॉनसन की भारत यात्रा यहां एकाएक कोरोना का संक्रमण अत्यधिक बढ़ जाने की वजह से रद कर दी गई। इस पर ब्रिटिश सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि भारत यात्रा के दौरान क्वैरी ने सभी प्रक्रियाओं का नियमानुसार पालन किया था। क्वैरी के साथ उनके सहयोगी लॉर्ड एडवर्ड उडनी लिस्टर भी भारत आए थे, ताकि ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनिका की वैक्सीन की लाखों खुराक को भारत से हासिल किया जा सके। यह वैक्सीन भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया बना रहा है।

क्वैरी के कोरोना होने के बाद से भारत का नाम रेड लिस्ट में

समाचार पत्र के अनुसार क्वैरी के कोरोना संक्रमित होने के बाद से भारत का नाम एक अप्रैल से रेड लिस्ट में डाल दिया गया है। इस सूची में भारत समेत 40 देशों के नाम हैं, जहां यात्रा करने पर प्रतिबंध है या फिर सख्ती बरती गई है। साथ ही स्थानीय ब्रिटिश नागरिकों के वहां से लौटने और उन्हें दस दिनों तक किसी होटल में क्वारंटाइन रहने को कहा गया है। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) ने अप्रैल मध्य तक भारतीय वैरियंट बी.1.617 के 132 मामलों को ट्रैक किया है। इस वैरियंट की जांच अभी भी जारी है। इस बीच, लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को सोशल मीडिया में अपील की कि कोविड की दूसरी लहर के चलते भारत में ऑक्सीजन और चिकित्सकीय सामग्रियों की मांग बढ़ती जा रही है।

दुनिया में कोरोना से मरने वालों संख्या तीस लाख के पार, बांग्लादेश ने 14 दिनों के लिए भारत का बार्डर किया बंद

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

कोरोना संक्रमण के तेवर ढीले नहीं हुए हैं। मौत का आंकड़ा तीस लाख के पार हो गया है। जापान ने दो और राज्यों में भी इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। महामारी पर नियंत्रण न होने पर टोक्यो-ओसाका के बाद अब क्योटो और ह्योगो में भी इमरजेंसी घोषित कर दी गई। यहां रविवार को साढ़े पांच हजार से ज्यादा मरीज मिले। बार, स्टोर और थ्येटर बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

जर्मनी की चांसलर मर्केल ने कहा- जनता को कड़ी पाबंदियों का पालन करना चाहिए

जर्मनी की चांसलर एंजिला मर्केल ने कहा है कि जनता को कड़ी पाबंदियों का पालन करना चाहिए। वित्त मंत्री ओलाफ स्कोल्ज ने कहा है कि संक्रमण की यही स्थिति रही तो मई के अंत तक सभी पाबंदियों को जारी रखना होगा।

बांग्लादेश ने 14 दिनों के लिए भारत का बार्डर किया बंद

बांग्लादेश ने भारत में बढ़ते कोरोना के मामलों के कारण 14 दिनों के लिए अपना बार्डर सील कर दिया है। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुजमान खान के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश के बाद यह निर्णय लिया गया है।

दुनिया में कोरोना से मरने वालों संख्या तीस लाख के पार

अमेरिका के जोंस हॉपकिंस यूनीवर्सिटी के अनुसार दुनियाभर में कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मरने वालों का आंकड़ा तीस लाख 96 हजार हो गया है।

इटली: कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच इटली ने भारत से यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है।

ब्राजील: यहां मरने वालों की संख्या तीन हजार प्रतिदिन से कम नहीं हो रही है।

थाइलैंड: एक दिन में करीब ढाई हजार नए मरीज मिल रहे हैं।

पाकिस्तान : राजधानी इस्लामाबाद में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। संक्रमण में 9 फीसद का इजाफा हुआ है।

रूस: यहां रविवार को 8780 नए संक्रमण के मामले सामने आए। 332 लोगों की मौत हो गई।

अर्जेंटीना: रविवार को 21 हजार से ज्यादा नए कोरोना संक्रमण के मामले आए। 298 लोगों की मौत हो गई।

चीन: यहां सरकार ने एक दिन में 13 नए संक्रमण के मामले आने की जानकारी दी है।

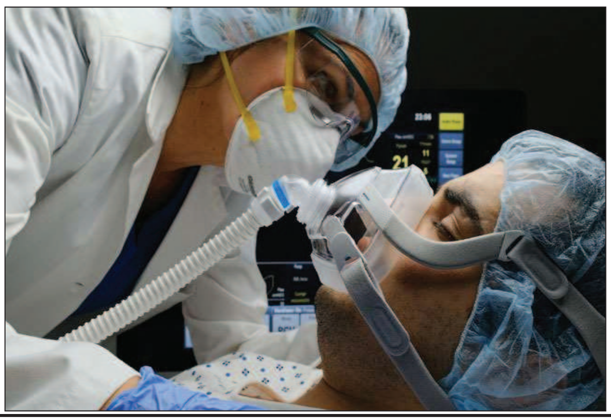

आखिर क्यों हो रही है रेमडेसिविर के लिए मारामारी ?

योगेश कुमार गोयल

कोरोना की दूसरी लहर भारत में इतना भयानक रूप धारण कर चुकी है कि दिल्ली हाईकोर्ट को कहने पर विवश होना पड़ा है कि यह दूसरी लहर नहीं बल्कि सुनामी है और अगर हालात ऐसे ही चलते रहे तो अनुमान लगाए जा रहे हैं कि अगले कुछ महीनों के भीतर मौतों का कुल आंकड़ा लाखों में पहुंच सकता है। इन दिनों कोविड संक्रमण के प्रतिदिन साढ़े तीन लाख से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं और हजारों लोगों की रोजाना मौत हो रही हैं। यही कारण है कि कोरोनावायरस के तेजी से बढ़ते मामलों की वजह से देशभर में अस्पतालों में बिस्तर, ऑक्सीजन सिलेंडर तथा कोरोना के इलाज में बड़े स्तर पर इस्तेमाल हो रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन सहित कुछ दवाओं की मांग में इतनी जबरदस्त वृद्धि हो गई है कि स्वास्थ्य सेवाएं दम तोड़ने लगी हैं। रेमडेसिविर इंजेक्शन की जमकर कालाबाजारी के मामले देशभर से लगातार सामने आ रहे हैं। हालांकि एंटीवायरल दवा 'रेमडेसिविर' का उत्पादन देश में कई कम्पनियां करती हैं लेकिन अचानक मांग में आई तेजी के चलते इसकी किल्लत इतनी ज्यादा हो रही है कि मुनाफाखोरों को आपदा को अवसर में भुनाने में कोई शर्म नहीं आ रही। हालांकि रेमडेसिविर की मांग को देखते हुए पिछले दिनों केन्द्र सरकार द्वारा इसकी कीमतें घटाने का फैसला लिए जाने के बाद इसका उत्पादन करने वाली सात अलग-अलग कम्पनियों ने इसके दाम 899 से 3490 रुपये के बीच तय कर दिए लेकिन आज भी यह दवा 30 से 70 हजार और कहीं-कहीं एक लाख से भी ज्यादा में बेची जा रही है। एक ओर जहां लोगों के बीच एक-एक रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए मारामारी मची है, वहीं बीते 23 अप्रैल को दिल्ली पुलिस द्वारा इनकी कालाबाजारी करने वाले एक गिरोह को गिरफ्तार कर उनके पास से 81 इंजेक्शन जब्त किए गए। वे इन इंजेक्शनों को 25-40 हजार तक में बेच रहे थे। राजस्थान पुलिस द्वारा 23 अप्रैल को पकड़े गए उदयपुर के पैसिफिक अस्पताल के दो नर्सिंग कर्मियों सहित चार कर्मचारी तो कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए उनके परिजनों द्वारा लाए जाने वाले इंजेक्शनों को ही चोरी कर 35 हजार रुपये तक में बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक उन्होंने 92 इंजेक्शन बाजार में दलालों को ऊंचे दामों पर बेच दिए थे। मध्य प्रदेश में भोपाल के जेके अस्पताल में तो एक नर्स कोरोना संक्रमितों को रेमडेसिविर की जगह सामान्य इंजेक्शन लगाकर रेमडेसिविर इंजेक्शन चुरा लेती थी और चोरी किए इंजेक्शन को अपने प्रेमी के जरिए 20-30 हजार में ब्लैक में बिकवाती थी। एक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश के मेरठ में राजनीतिक दल से जुड़े कोरोना संक्रमित व्यक्ति के बेटे ने तो एक रेमडेसिविर इंजेक्शन का प्रबंध 80 हजार रुपये में किया जबकि एक मरीज के परिजन डेढ़ लाख रुपये लेकर पांच इंजेक्शन खरीदने दिल्ली से मेरठ आए लेकिन उन्हें इंजेक्शन नहीं मिल सके। प्रशासन की नाक तले रेमडेसिविर इंजेक्शन की जमकर हो रही कालाबाजारी ये चंद उदाहरण हैं, वास्तव में ऐसे बहुत सारे गिरोह देशभर में सक्रिय हैं। सवाल यह है कि आखिर क्या वजह है कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की इतनी मांग बढ़ रही हैं और कालाबाजारियों को आपदा को अवसर में बदलने का अवसर मिल रहा है। दरअसल कोरोना की पहली लहर के दौरान इसकी डिमांड दिल्ली, मुम्बई, बेंगलुरू, चेन्नई, लखनऊ, जयपुर, अहमदाबाद, सूरत जैसे महानगरों और बड़े शहरों तक सीमित थी लेकिन चूंकि दूसरी लहर की शुरूआत से ही अधिकांश डॉक्टरों ने इस एंटी-वायरल दवा को संक्रमण के शुरूआती दिनों में कारगर माना और कहा गया कि यह कोरोना बीमारी की अवधि को कम करती है और संक्रमण अधिक फैलने से फेफड़ों के खराब होने की स्थिति में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि कुछ डॉक्टरों का कहना है कि यह कोविड के 100 में से केवल 70-75 ऐसे मरीजों पर ही काम करती है, जिनके फेफड़े कोरोना के कारण प्रभावित हुए हों और इसका इस्तेमाल जरूरत के हिसाब से केवल डॉक्टरी सलाह पर ही किया जाना चाहिए। अस्पतालों में भर्ती किए जाने वाले कारोना मरीजों के लिए बहुत से डॉक्टर रेमडेसिविर लिख रहे हैं, जिसकी तलाश में परेशानहाल परिजन मुंहमांगी कीमत पर रेमडेसिविर यह खरीदने के लिए यहां-वहां भटक रहे है। कोरोना के बढ़ते आतंक को देखते हुए जरूरतमंदों के अलावा दूसरे लोगों में भी इस इंजेक्शन को हासिल करने की होड़ सी मची है। जान लें कि रेमडेसिविर है क्या? रेमडेसिविर बनाने का पेटेंट अमेरिकी दवा निर्माता कम्पनी 'गिलेड लाइफ साइंस' के पास है, जिसने इसे हेपेटाइटिस सी के इलाज के लिए बनाया था और बाद में इसमें कुछ सुधार कर इसे इबोला वायरस के इलाज के लिए बनाया गया। अब कई देशों में कोरोना के इलाज में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक यह दवा उन एंजाइम्स को ब्लॉक कर देती है, जो शरीर में कोरोना वायरस को भयानक रूप धारण करने में मदद करते हैं। भारत में केडिला, जाइडस, डा. रेड्डी लेबोरेटरीज, हेटेरो ड्रग्स, जुबलिएंट लाइफ साइंसेज, सिप्ला लि., बिकॉन ग्रुप, माइलन इत्यादि कुछ कम्पनियां इसका निर्माण कर रही हैं, जिनका गिलेड के साथ करार है। ये कम्पनियां प्रतिमाह करीब 34 लाख यूनिट रेमडेसिविर बनाती हैं, जिनका निर्यात दुनियाभर के 120 से भी अधिक देशों में किया जाता है। दिसम्बर 2020 के बाद से भारत में कोरोना के मामलों में कमी दर्ज किए जाने के कारण रेमडेसिविर की मांग में काफी कमी आ गई थी, जिस कारण कम्पनियों ने इसका उत्पादन काफी कम कर दिया था। कोरोना की दूसरी लहर अचानक सामने आने के बाद एकाएक इसकी मांग में जबरदस्त वृद्धि हुई, यही इसकी कालाबाजारी का प्रमुख कारण है। एक ओर जहां रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग लगातार बढ़ रही है, वहीं एम्स निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया सहित कई जाने-माने डॉक्टर अब स्थिति स्पष्ट करते हुए कह रहे हैं कि रेमडेसिविर को जादुई दवाई नहीं समझें क्योंकि रेमडेसिविर इंजेक्शन कोरोना की कोई रामबाण दवा नहीं है। डॉ. गुलेरिया के मुताबिक रेमडेसिविर कोई जादुई दवा नहीं है और अभी तक ऐसा कोई आंकड़ा नहीं है, जिससे यह पता चलता हो कि हल्के संक्रमण में रेमडेसिविर लेने से जिंदगी बच जाएगी या इसका कोई लाभ होगा। उनके अनुसार कोरोना से संक्रमित बहुत कम ऐसे मरीज हैं, जिन्हें रेमडेसिविर जैसी दवा की जरूरत है और किसी भी स्टडी से यह भी नहीं पता चलता कि रेमडेसिविर

के इस्तेमाल से मृत्युदर घटती है। डॉ. गुलेरिया का कहना है कि अधिकांश लोग केवल कोरोना के डर की वजह से घर में क्वारंटाइन हो रहे हैं या अस्पताल जा रहे हैं जबकि ऐसे लोगों को किसी विशेष तरह के इलाज की जरूरत ही नहीं है। सामान्य बुखार की तरह पैरासिटामोल से ही उन्हें राहत मिल जाएगी और वे ठीक हो जाएंगे, उन्हें रेमडेसिविर की कोई आवश्यकता नहीं। हल्के लक्षणों वाले लोगों को समय से पहले दिए जाने पर इसका कोई फायदा नहीं है। गुड़गांव स्थित मेदांता मेडिसिटी अस्पताल के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहन का यही मानना है कि रेमडेसिविर इंजेक्शन कोरोना के इलाज की कोई रामबाण दवा नहीं है। उनके मुताबिक यह मृत्युदर घटाने वाली दवा भी नहीं है बल्कि देखा गया है कि यह केवल वायरल लोड कम करने में मदद करती है और हर मरीज के लिए इसका इस्तेमाल जरूरी नहीं है। उनका कहना है कि रेमडेसिविर सभी संक्रमितों को नहीं दी जाती बल्कि इसके इस्तेमाल का सुझाव मरीजों के लक्षणों और संक्रमण की गंभीरता को देखने के बाद ही किया जाता है। कोरोना संक्रमण को लेकर पटना हाईकोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान जब अदालत ने बेड, ऑक्सीजन और रेमडेसिविर को लेकर हाल ही में सरकार से जवाब मांगा तो एम्स पटना के निदेशक ने कहा था कि वहां रेमडेसिविर का इस्तेमाल कोरोना मरीजों के इलाज में नहीं किया जा रहा है क्योंकि यह इलाज में बेअसर है। उसके बाद नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और एनएमसीएच अधीक्षक ने रेमडेसिविर को लेकर जारी पत्र में कहा कि डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी गाइडलाइन में इस इंजेक्शन से मृत्युदर या संक्रमण कम होने की बात नहीं कही गई है। गौरतलब है कि डब्ल्यूएचओ सहित कई देश रेमडेसिविर को कोरोना के इलाज की दवा सूची से बाहर निकाल चुके हैं। हालांकि शुरुआत में डब्ल्यूएचओ ने इसके आपात इस्तेमाल की अनुमति दी थी, जिसके बाद भारत में भी आईसीएमआर द्वारा इसका उपयोग केवल आपात स्थिति में करने की इजाजत दी गई थी, जिसे बाद में निजी अस्पतालों ने भारी मुनाफे के चलते धड़ल्ले से इसका इस्तेमाल शुरू दिया। बहरहाल, आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सहजानंद प्रसाद सिंह ने भी अब स्पष्ट किया है कि रेमडेसिविर से कोरोना मरीजों की जान बचाने या मृत्यु कम करने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण अबतक नहीं मिला है और चिकित्सक अपने अनुभव के आधार पर ही इसका उपयोग कर रहे हैं, इसलिए रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए लोगों को परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

कोरोनाः पूरा देश कांप उठा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पिछले दो-तीन दिनों में कोरोना ने ऐसा जुल्म ढाया है कि पूरा देश कांप उठा है। सवा तीन लाख लोगों का कोरोना ग्रस्त होना, हजारों लोगों का मरना, ऑक्सीजन का अकाल पड़ना, दवाइयों और ऑक्सीजन सिलेंडरों की दस गुनी कीमत पर कालाबाजारी होना, राज्य-सरकारों की आपसी खींचातानी और नेताओं के आरोपों-प्रत्यारोपों ने केंद्र सरकार को कंपा दिया था। लेकिन इस सबका फायदा यह हुआ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना पर अपना ध्यान जमाया है। अब रातोंरात अस्पतालों को ऑक्सीजन के बंबे पहुंच रहे हैं, हजारों बिस्तरवाले तात्कालिक अस्पताल शहरों में खुल रहे हैं, कालाबाज़ारियों की गिरफ्तारी बढ़ गई है और 80 करोड़ गरीब लोगों के लिए प्रति माह 5 किलो अनाज मुफ्त बंटने लगा है। आशा है कि एक-दो दिन में ही कोरोना के टीके की कीमत को लेकर शुरु हुई लूटमार पर भी सरकार रोक लगा देगी। कोरोना के टीके और अन्य दवाइयों के लिए जो कच्चा माल हम अमेरिका से आयात कर रहे थे, उसे देने में अमेरिका अभी आनाकानी कर रहा है लेकिन ब्रिटेन और फ्रांस- जैसे देशों ने आगे बढ़कर मदद करने की घोषणा की है। जर्मनी ने ऑक्सीजन की चलायमान मशीनें भेजने की घोषणा कर दी है। सबसे ज्यादा ध्यान देने लायक तथ्य यह है कि चीन और पाकिस्तान ने भी भारतीय जनता को इस आफतकाल से बचाने का इरादा जाहिर किया है। पाकिस्तान की कई समाजसेवी संस्थाओं ने कहा है कि संकट के इस समय में आपसी रंजिशों को दरकिनार किया जाए और एक-दूसरे की मदद के लिए आगे बढ़ा जाए। सबसे अच्छी बात तो यह हुई है कि सिखों के कई गुरुद्वारों में मुफ्त ऑक्सीजन देने का इंतजाम हो गया है। हजारों बेरोजगार लोगों को वे मुफ्त भोजन भी करवा रहे हैं। कई मस्जिदें भी इसी काम में जुट गई हैं। ये सब किसी जाति, मजहब या भाषा का भेदभाव नहीं कर रहे हैं। उन व्यक्तियों से भी प्रेरणा लेनी चाहिए, जो व्यक्तिगत स्तर पर अप्रतिम उदारता और साहस का परिचय दे रहे हैं। मुंबई के शाहनवाज शेख नामक युवक अपनी 22 लाख रु. कार बेचकर उस पैसे से जरूरतमंद रोगियों को ऑक्सीजन के बंबे उपलब्ध करा रहे हैं। जोधपुर के निर्मल गहलोत ने श्वास-बैंक बना दिया है, जो ऑक्सीजन के बंबे उनके घर पहुंचाएगा, नाममात्र के शुल्क पर! एक किसान ने अपना तीन मंजिले घर को ही कोरोना अस्पताल बना दिया है। गुड़गांव के पार्षद महेश दायमा ने अपने बड़े कार्यालय को ही मुफ्त टीकाकरण का केंद्र बना दिया है। यदि हमारे सभी राजनीतिक दलों के लगभग 15 करोड़ कार्यकर्ता इस दिशा में सक्रिय हो जाएं तो कोरोना की विभीषिका को काबू करना कठिन नहीं होगा।

आज के ट्वीट

वैकेसीन

राजस्थान सरकार ने प्रदेश के 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के सभी लोगों को निः शुल्क वैक्सीन लगाने का फैसला किया है :

-- सीएम अशोक गहलोत

ज्ञान गंगा

दान

श्रीराम शर्मा आचार्य

दान का अर्थ है देवत्व के अनुरूप देते रहने की वृत्ति को जिंदा रखना। शास्त्र कहता है-सौ हाथों से कमाओ, हजार हाथों से बांटो। दुनिया में सम्मान उनके लिए ही सुरक्षित है जो देते रहते हैं, पर बदले में कम पाने पर भी अपना काम चला लेते हैं। दो और पाओ, बोओ और काटो, बांटो और झोली भर लो का सिद्धांत एक शात सत्य के रूप में सदा से कार्य करता आया है। आज का समय बड़ी अभूतपूर्व घड़ियों में आया है। यह एक असाधारण समय है। ऐसे में धन-साधन के बाद सबसे महत्त्वपूर्ण जिसे माना गया है, वह है-समयदान। यह सभी के लिए सुलभ है। यदि समयदान के साथ श्रद्धा का पुट और लग जाए, तो लोक मंगल के अनेक कार्य संभव हैं। महान् मनीषियों की साधना समय की तप-शिला पर बैठकर ही संपन्न हुई है। लोकसेवियों ने समयदान के सहारे अनेक असंभव कार्य कर दिखाए हैं। परंतु यह कार्य तभी बन पड़ता है, जब अंतराल की गहराई से आदशरे के राजमार्ग पर चलने के लिए बेचैन करने वाली टीस निरंतर उठती है। आज आस्था संकट रूपी दुर्भिक्ष जब प्रेत-पिशाच की तरह चढ़ा हुआ है, समयदान को युगधर्म मानकर तत्काल उसमें जुटना होगा। श्रेष्ठ कार्य यदि सामने हो तो उसे तुरंत करना चाहिए, यह उक्ति चरितार्थ करते हुए युगसंधि महापुरचरण की वेला में सभी को बढ़-चढ़कर समयदान करना चाहिए। दान-पुण्य शब्द एक साथ मिलकर बोले जाते हैं और इनके प्रतिफल भी समानांतर बताए जाते हैं। अध्यात्म की भाषा में इनकी महत्ता स्वर्ग, मुक्ति, सिद्धि, वरदान, चमत्कार आदि के रूप में कही जाती है और बोलचाल की भाषा में इन्हें प्रगति, सफलता, वरिष्ठता और प्रदाता तक बताया जाता है। दान अर्थात् देना, यही पुण्य है। लेना अर्थात् अधिकारों का अपहरण, यही पाप है। पाप की परिणति लौकिक और पारलौकिक क्षेत्र में अवगति-दुर्गति स्तर की होती है। नरक इसी का आलंकारिक प्रतिपादन है। दोनों में से अपनी गतिविधियां किस पक्ष के साथ विनियोजित करना है, यह मनुष्य की अपनी इच्छाओं की बात है। परिस्थितियां कई बार इस चयन के विपरीत दबाव भी डालती देखी गई हैं पर अंततः होता वही है, जिस पर इच्छा-शक्ति संकल्प बनकर केंद्रीभूत होती है।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

तसल्ली है, अब गुमनाम नहीं मरूंगी

नसीबो लाल पाकिस्तानी गायिका

देश के बंटवारे के बाद उनके पुरखे राजस्थान के बीकानेर से पाकिस्तान चले आए थे। वहां पंजाब सूबे में सन 1970 में नसीबो लाल पैदा हुईं। उनका खानाबदोश खानदान गाने-बजाने से ताल्लुक रखता था। स्टेशनों, रेलगाड़ियों, शादी-ब्याहों और दूसरे जलसों में राजस्थानी, पंजाबी लोकगीत गा-बजाकर गुजारा करने वाले इस कुनबे में आधुनिक शिक्षा के लिए कोई जगह वैसे ही नहीं थी, और फिर पाकिस्तान के जिस इलाके में इस खानदान को पनाह मिली, वहां दूर-दूर तक तब कोई स्कूल भी न था। नन्ही नसीबो तब पांच साल की थीं। एक दिन उन्हें रोते सुनकर नाना ने नसीबो की वालिदा से कहा, यह बहुत सुरीली गायिका बनेगी। तब मां ने इसे नाना का दुलार माना था। मगर वह एक पारखी बुजुर्ग की दूरंदेश पकड़ थी। वक्त के साथ जगह बदली और यह कुनबा लाहौर के गढ़वी मोहल्ले में आ बसा। छुटपन से ही नसीबो ने अपनी मां को गाते हुए देखा। आगे चलकर उन्हें भी चूंकि वही पेशा अपनाना था। लिहाजा, होश संभालने के साथ ही सुर लगाने की प्रैक्टिस शुरू हो गई। नसीबो की पहली उस्ताद उनकी मां ही बनीं। बाद में उन्होंने उस्ताद लाल खान से भी कुछ सीखा था। बचपन से ही नसीबो, मैडम नूरजहां की गायकी की मुरीद रहीं। वह अक्सर बसों, ट्रेनों में उन्हीं के गीत गाया करतीं। नसीबो की आवाज इतनी सुरीली थी कि जो कोई सुनता, खूब तारीफ करता। उनकी एक सहेली रशीदा का पंजाबी फिल्म स्टूडियो में आना-जाना था। वह अक्सर नसीबो से फिल्म स्टारों से मिलने का जिक्र किया करती। आखिरकार एक दिन अपने पसंदीदा कलाकार सुल्तान राही को देखने वह भी रशीदा के साथ चल पड़ीं। अंदर एक धुकधुकी भी थी कि कहीं कुनबे का कोई देख न ले। उनकी बिरादरी में फिल्म लाइन को अच्छा नहीं माना जाता था। फिर उस समय नसीबो की मंगनी भी हो चुकी थी। स्टूडियो में सुल्तान राही से तो मुलाकात हुई ही,भाग्य ने देसां दा राजा के प्रोड्यूसर मोहम्मद सरवर से भी मिला दिया। रशीदा ने सरवर से नसीबो का तआरुफ कराते हुए कहा कि इसे गाने का बहुत शौक है। नसीबो ने कुछ हिचक के साथ कहा- गाने का शौक तो है, मगर गा नहीं सकती, क्योंकि बिरादरी के कायदे बहुत सख्त हैं। नसीबो को यह भी डर था कि कहीं मंगेतर को उनका स्टूडियो आना-जाना नागवार न गुजरे। सरवर साहब ने पूछा, आपको माइया वे, बोल वे (मैडम नूरजहां) गीत आता है? नसीबो तो इसे बचपन से गाती-गुनगुनाती आ रही थीं। उनकी आवाज सुनते ही सरवर साहब ने रशीदा से कहा- इन्हें म्यूजिक स्टूडियो लेकर आओ। और एक नए सफर का आगाज हो गया। भाइयों और बिरादरी का डर तो था, मगर मां साथ थीं। मून मार्केट स्थित भट्टी स्टूडियो में जिदा यार जुदा हो जावे... रिकॉर्ड कराकर घर लौटीं, तो भाई गुस्से में आग-बबूला बैठा था। उसने ईंट उठाकर दे मारी, मगर चमत्कारिक रूप से नसीबो बच गईं। उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मां ने स्टैंड लिया। नसीबो ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि, शुरू-शुरू में गाने के बहुत पैसे नहीं मिलते थे। एक गीत के 1,500 से 2,000 रुपये पारिश्रमिक मिलते। कई बार ऐसा भी हुआ, जब एक दिन में छह-सात गाने रिकॉर्ड कराए। खानदान बहुत बड़ा था। नौ बहन-भाइयों का कुनबा था। नसीबो से बड़ी पांच बहनें ही थीं। सबकी माली मदद करनी थी। लिहाजा, प्रोड्यूसरों के दबाव में उन्हें कई ऐसे गीत गाने पड़े, जिन्हें फूहड़ कहा गया। बाद में, उन्होंने ऐसे गीतों के प्रस्तावों को ठुकरा दिया। सुरीली आवाज ने उन्हें सरहद पार भारत, लंदन, शिकागो तक लोकप्रिय बना दिया। विदेशी संगीत कार्यक्रमों से दौलत खूब आई, और इंडस्ट्री में भी धाक जमी। लेकिन मकबूलियत के बाद भी नसीबो ने अपनी जमीन नहीं छोड़ी। वह चाहतीं, तो डिफेंस कॉलोनी में बस सकती थीं, मगर आज भी अपने खानदान वालों के साथ लाहौर के गढ़वी मोहल्ले में ही रहती हैं। ऐसी बस्ती में, जिसकी सड़कें टूटी-फूटी हैं। जहां पहुंचकर पाकिस्तान की तरक्की दम तोड़ देती है। नसीबो के पड़ोस में ही मशहूर गायिका रेशमा का घर है। वह अक्सर रेशमा की कब्र पर फातिहा पढ़ने जाती हैं। नसीबो खुद तो नहीं पढ़ सकीं, मगर तालीम की अहमियत समझती हैं। इसलिए उनकी हसरत है कि बेटी मेडिकल की पढ़ाई करे और बेटा मुकम्मल तालीम के साथ-साथ पेशेवर क्रिकेटर का हुनर भी हासिल करे। कोरोना-कहर के इस दौर में गढ़वी मोहल्ले के लगभग तमाम गरीब घरों की नसीबो ने राशन और पैसे से भरपूर मदद की है। इस दरियादिली ने उन्हें काफी इज्जत दिलाई है। अब तो उनके दोनों भाई और दो बहनें भी म्यूजिक इंडस्ट्री के लिए काम करती हैं। कभी बसों-ट्रेनों में गाने वाली नसीबो के लिए अब बड़े-बड़े मंच सजते हैं। मगर रूहानी आवाज वाली इस गायिका को इसका रत्ती भर भी गुमान नहीं। उन्हें इस फानी दुनिया की हकीकत मालूम है- 'मिट्टी वही मुझ पर गिरेगी, जो बादशाहों पर गिरी होगी।'

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

अप्सरा पुंजिकस्थली (अंजनी नाम से प्रसिद्ध) केसरी नामक वानर की पत्नी थी। वह अत्यंत सुंदरी थी तथा आभूषणों से सुसज्जित होकर एक पर्वत शिखर पर खड़ी थी। उनके सौंदर्य पर मुग्ध होकर वायु देव ने उनका आलिंगन किया। व्रतधारिणी अंजनी बहुत घबरा गयी किंतु वायु देव के वरदान से उसकी कोख से हनुमान ने जन्म लिया। जन्म लेने के बाद हनुमान ने आकाश में चमकते हुए सूर्य को फल समझा और उड़कर लेने के लिए आकाश-मार्ग में गये। मार्ग में उनकी टक्कर राहु से हो गयी। राहु घबराया हुआ इन्द्र के पास पहुंचा और बोला- हे इन्द्र, तुमने मुझे अपनी क्षुधा के समाधान के लिए सूर्य और चंद्रमा दिए थे। हनुमान जी की उपासना केवल भारत भूमि में ही नहीं अपितु विश्व के अन्य भाग जैसे जावा-सुमित्रा' लंका, थाई, मारीशस, बर्मा अफगानिस्तान, जापान आदि से लेकर यूरोप व समस्त विश्व में होती है। श्री हनुमान उन सप्तऋषि में से एक है जिन्हें वरदान प्राप्त है कि चिरंजीवी रहेंगे हनुमान वेग में वायु देवता तथा गति में गरुड़ देवता के सक्षम हैं। भगवान के उत्तर दिशा के पार्षद कुबेर की गदा इन पर रहती है जिसमें अधर्म करने को दण्ड देने के अधिकारी हैं। इनकी गदा संग्राम में विजय दिलाने वाली हैं अतः साधकों को धर्मच्युत व्यवहार के लिए मारुति की गदा का भी ध्यान व पूजन अभीष्ट है। यदि साधक मृत्युतुल्य कष्ट से ग्रस्त हो, तो मंगलमूर्ति का ध्यान हाथ में संजीवनी का पहाड़ लिये, साथ में सुषेण वैद्य का भी ध्यान करना चाहिये।

दुर्गम काज जगत के जेते

हनुमान (हनुमान, आञ्जनेय और मारुति भी) परमेश्वर की भक्ति (हिंदू धर्म में भगवान की भक्ति) की सबसे लोकप्रिय अवधारणाओं और भारतीय महाकाव्य रामायण में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों में प्रधान हैं। वह कुछ विचारों के अनुसार भगवान शिवजी के 11वें रुद्रावतार, सबसे बलवान और बुद्धिमान माने जाते हैं। उनकी सबसे प्रसिद्ध उपलब्धि थी, जैसा कि रामायण में वर्णित है, बंदरों की सेना के अग्रणी के रूप में राक्षस राजा रावण से लड़ाई।

श्री हनुमान जी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की ।	दुष्टदलन रघुनाथ कला की ।।
जाके बल से गिरिवर कांपै ।	रोग दोष जाके निकट न झांके ।।
अंजनि पुत्र महा बल दाई ।	संतन के प्रभु सदा सहाई ।।
दे बीरा रघुनाथ पठाये ।	लंका जारि सीय सुधि लाये ।।
लंका सो कोटि समुद्र सी खाई ।	जात पवनसुत बार न लाई ।।
लंका जारि असुर संहारे ।	सियाराम जी के काज संवारे ।।
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे ।	लाय सजीवन प्राण उबारे ।।
पैठि पाताल तोरि जम कारे ।	अहिरावन की भुजा उखारे ।।
बायें भुजा असुर दल मारे ।	दाहिने भुजा संत जन तारे ।।
सुर नर मुनि जन आरती उतारे ।	जै जै जै हनुमान उचारे ।।
कंचन थाल कपूर लौ छाई ।	आरती करत अंजना माई ।।
जो हनुमान जी की आरती गावै ।	बसि बैकुंठ परमपद पावै ।।

परन्तु कई विद्वानो ने हनुमान जी की जाति वानर बताई है। इसी का जीता जागता उदाहरण है विराट नगर (राजस्थान) में स्थापित पावन धाम स्थित वज्रांग मन्दिर। गोभक्त महात्मा रामचन्द्र वीर ने पुरे हिंदुस्तान में विश्व का सबसे अलग मंदिर स्थापित किया जिसमे हनुमान जी की बिना बन्दर वाले मुख की मूर्ति स्थापित है। महात्मा रामचन्द्र वीर ने हनुमान जी जाति वानर बताई है, शरीर नहीं। उन्होंने कहा है कि सीता माता की खोज करने वाले और वेदों पाठो के ज्ञाता हनुमानजी बन्दर कैसे हो सकते है। उन्होंने लंका को जलाने के लिए वानर का रूप धरा था। 2009 के महात्मा के स्वर्गवास के बाद उनके सपुत्र आचार्य धर्मेन्द्र (विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल में शामिल संत) एवं पंचखंड पीठ विराट नगर के पीठादिश्वर है. इन्हें बजरंगबली के रूप में जाना जाता है क्योंकि इनका शरीर एक वज्र की तरह था। हनुमान पवन-पुत्र के रूप में जाने जाते हैं। वायु अथावा पवन (हवा के देवता) ने हनुमान को पालने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मारुत का अर्थ हवा है। नंदन का अर्थ बेटा है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार हनुमान अर्थात मारुत-नंदन हवा का बेटा है। रामायण के अनुसार वे जानकी के अत्यधिक प्रिय हैं। इस धरा पर जिन सात मनीषियों को अमरत्व का वरदान प्राप्त है, उनमें बजरंगबली भी हैं। हनुमानजी का अवतार भगवान् राम की सहायता के लिये हुआ। हनुमानजी के पराक्रम की असंख्य गाथाएं प्रचलित हैं। इन्होंने जिस तरह से राम के साथ सुग्रीव की मैत्री कराई और फिर वानरों की मदद से राक्षसों का मर्दन किया, वह अत्यन्त प्रसिद्ध है। हनुमान के पिता सुमेरू पर्वत के राजा केसरी थे तथा माता अंजना थी। सालासर व मेहंदीपुर में इनके विशाल एवं भव्य मन्दिर है।

हिन्दू पंचांग के अनुसार हनुमान जयंती प्रतिवर्ष चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है› मान्यता है कि इसी पावन दिवस को भगवान राम की सेवा करने के उद्येश्य से भगवान शंकर के ग्यारहवें रूद्र ने वानरराज केसरी और अंजना के घर पुत्र रूप में जन्म लिया था› यह त्यौहार पूरे भारतवर्ष में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई जाती है. भक्तों की मन्नत पूर्ण करनेवाले पवनपुत्र हनुमान के जन्मोत्सव पर इनकी पूजा का बड़ा महातम्य होता है. आस्थावान भक्तों का मानना है कि यदि कोई श्रद्धापूर्वक केसरीनंदन की पूजा करता है तो प्रभु उसके सभी अनिष्टों को दूर कर देते हैं और उसे सब प्रकार से सुख, समृद्धि और एश्वर्य प्रदान करते हैं. इस दिन हनुमानजी की पूजा में तेल और लाल सिंदूर चढ़ाने का विधान है. हनुमान जयंती पर कई जगह श्रद्धालुओं द्वारा झांकियां निकाली जाती है, जिसमें उनके जीवन चरित्र का नाटकीय प्रारूप प्रस्तुत किया जाता है. यदि कोई इस दिन हनुमानजी की पूजा करता है तो वह शनि के प्रकोप से बचा रहता है›

आज भी जीवित हैं हनुमान

भगवान शिव के आठ रूद्रावतारों में एक हैं हनुमान जी। मान्यता है कि नरक चतुर्दशी यानी कार्तिक कृष्ण चतुदर्शी के दिन हनुमान जी का जन्म हुआ था। भगवान राम त्रेतायुग में धर्म की स्थापना करके पृथ्वी से अपने लोक बैकुण्ठ चले गये लेकिन धर्म की रक्षा के लिए हनुमान को अमरता का वरदान दिया। इस वरदान के कारण हनुमान जी आज भी जीवित हैं और भगवान के भक्तों और धर्म की रक्षा में लगे हुए हैं। हनुमान जी के जीवित होने के प्रमाण समय-समय पर प्राप्त होते रहें जो इस बात को प्रमाणित करता है कि हनुमान जी आज भी जीवित हैं। 16वी सदी के महान संत कवि तुलसीदास जी को हनुमान की कृपा से राम जी के दर्शन प्राप्त हुए। कथा है कि हनुमान जी ने तुलसीदास जी से कहा था कि राम और लक्ष्मण चित्रकूट नियमित आते रहते हैं। मैं वृक्ष पर तोता बनकर बैठा रहूंगा जब राम और लक्ष्मण आएंगे मैं आपको संकेत दे दूंगा। हनुमान जी की आज्ञा के अनुसार तुलसीदास जी चित्रकूट घाट पर बैठ गये और सभी आने जाने वालों को चंदन लगाने लगे। राम और लक्ष्मण जब आये तो हनुमान जी गाने लगे चित्रकूट के घाट पै, भई संतन के भीर। तुलसीदास चंदन घिसै, तिलक देत रघुबीर।। हनुमान के यह वचन सुनते ही तुलसीदास प्रभु राम और लक्ष्मण को निहारने लगे। इस प्रकार तुलसीदा को राम जी के दर्शन हुए। तुलसीदास की बढ़ती हुई कीर्ति से प्रभावित होकर अकबर ने एक बार तुलसीदास जी को अपने दरबार में बुलाया। तुलसीदास जी को अकबर ने कोई चमत्कार दिखाने के लिए कहा, जिसे तुलसीदास जी ने अस्वीकार कर दिया। क्रोधित होकर अकबर ने तुलसीदास को जेल में डाल दिया। जेल में तुलसीदास जी ने हनुमान की अराधना शुरू कर दी। इतने में चमत्कार यह हुआ कि बंदरों ने अकबर के महल पर आक्रमण कर दिया। बंदरों के उत्पात से अकबर भयभीत हो गया। अकबर को समझ में आ गया कि तुलसीदास जी को जेल में डालने के कारण हनुमान जी नाराज हो गये हैं। बंदरों के उत्पात का कारण यही है। अकबर ने संत तुलसीदास जी से क्षमा मांगी और उन्हें जेल से मुक्त कर दिया। तुलसीदास जी से पहले हनुमान जी की मुलाकात त्रेतायुग में महाभारत युद्ध से पहले पाण्डु पुत्र भीम से हुई थी। भीम की विनती पर युद्ध के समय हनुमान जी ने पाण्डवों की सहायता करने का आश्वासन दिया था। माना जाता है कि महाभारत युद्ध के समय अर्जुन के रथ का ध्वज थाम कर महावीर हनुमान बैठे थे। इसी कारण तीखे वाणों से भी अर्जुन का रथ पीछे नहीं होता था और संपूर्ण युद्ध के दौरान अर्जुन के रथ का ध्वज लहराता रहा। शास्त्रों का ऐसा मत है कि जहां भी राम कथा होती है वहां हनुमान जी अवश्य होते हैं। इसलिए हनुमान की कृपा पाने के लिए श्री राम की भक्ति जरूरी है। जो राम के भक्त हैं हनुमान उनकी सदैव रक्षा करते हैं।

हनुमान के द्वारा सूर्य को फल समझना

इनके जन्म के पश्चात् एक दिन इनकी माता फल लाने के लिये इन्हें आश्रम में छोड़कर चली गईं। जब शिशु हनुमान को भूख लगी तो वे उगते हुये सूर्य को फल समझकर उसे पकड़ने आकाश में उड़ने लगे। उनकी सहायता के लिये पवन भी बहुत तेजी से चला। उधर भगवान सूर्य ने उन्हें अबोध शिशु समझकर अपने तेज से नहीं जलने दिया। जिस समय हनुमान सूर्य को पकड़ने के लिये लपके, उसी समय राहु सूर्य पर ग्रहण लगाना चाहता था। हनुमानजी ने सूर्य के ऊपरी भाग में जब राहु का स्पर्श किया तो वह भयभीत होकर वहाँ से भाग गया। उसने इन्द्र के पास जाकर कहा आपने मुझे अपनी क्षुधा शान्त करने के साधन के रूप में सूर्य और चन्द्र दिये थे। आज अमावस्या के दिन जब मैं सूर्य को ग्रस्त करने गया तब देखा कि दूसरा राहु सूर्य को पकड़ने जा रहा है। राहु की बात सुनकर इन्द्र उसे साथ लेकर सूर्य की ओर चल पड़े। इन्द्र ने हनुमानजी पर वज्रायुध से प्रहार किया जिससे उनकी बायीं ठुड्डी टूट गई। हनुमान की यह दशा देखकर वायुदेव को क्रोध आया। उन्होंने उसी क्षण अपनी गति रोक दिया। इससे संसार की कोई भी प्राणी साँस न ले सकी और सब पीड़ा से तड़पने लगे। तब सारे सुर, असुर, यक्ष, किन्नर आदि ब्रह्मा जी की शरण में गये। ब्रह्मा उन सबको लेकर वायुदेव के पास गये। वे मूर्छत हनुमान को गोद में लिये उदास बैठे थे। जब ब्रह्माजी ने उन्हें जीवित किया तो वायुदेव ने अपनी गति का संचार करके सभी प्राणियों की पीड़ा दूर की। फिर ब्रह्माजी ने कहा कि कोई भी शस्त्र इसके अंग को हानि नहीं कर सकता। इन्द्र ने कहा कि इसका शरीर वज्र से भी कठोर होगा। सूर्यदेव ने कहा कि वे उसे अपने तेज का शतांश प्रदान करेंगे तथा शास्त्र मर्मज्ञ होने का भी आशीर्वाद दिया। वरुण ने कहा मेरे पाश और जल से यह बालक सदा सुरक्षित रहेगा। यमदेव ने अवध्य और नीरोग रहने का आशीर्वाद दिया। यक्षराज कुबेर, विश्वकर्मा आदि देवों ने भी अमोघ वरदान दिये। हनुमान त्रिसिरस का वध करता है इन्द्र के वज्र से हनुमानजी की ठुड्डी (संस्कृत मे हनु) टूट गई थी। इसलिये उनको हनुमान का नाम दिया गया। इसके अलावा ये अनेक नामों से प्रसिद है जैसे बजरंग बली , मारुति , अंजनि सुत , पवनपुत्र , संकटमोचन , केसरीनन्दन , महावीर , कपीश , बालाजी महाराज आदि।

और इंद्र ने ब्रज से प्रहार कर दिया

आज अमावस्या है, अतः मैं सूर्य को ग्रसने गया था, किंतु वहां तो कोई और ही जा रहा है। इन्द्र क्रुद्ध होकर ऐरावत पर बैठकर चल पड़े। राहु उनसे भी पहले घटनास्थल पर गया। हनुमान ने उसे भी फल समझा तथा उसकी ओर झपटे। उसने इन्द्र को आवाज़ दी। तभी हनुमान ने ऐरावत को देखा। उसे और भी बड़ा फल जानकर वे पकड़ने के लिए बढ़े । इन्द्र ने क्रुद्ध होकर अपने वज्र से प्रहार किया, जिससे हनुमान की बायीं ठोड़ी टूट गयी और वे नीचे गिरे। यह देखकर पवनदेव हनुमान को उठाकर एक गुफ़ा में चले गये। संसार-भर की वायु उन्होंने रोक ली। लोग वायु के अभाव से पीड़ित होकर मरने लगे। मनुष्य-रूपी प्रजा ब्रह्मा के पास गयी। ब्रह्मा विभिन्न देवताओं को लेकर पवनदेव के पास पहुंचे। उनके स्पर्शमात्र से हनुमान ठीक हो गये। साथ आए देवताओं से ब्रह्मा ने कहा- %यह बालक भविष्य में तुम्हारे लिए हितकर होगा। अतः इसे अनेक वरदानों से विभूषित करो। इन्द्र ने प्रसन्नता से स्वर्ण के कमल की माला देकर कहा- मेरे वज्र से इसकी हनु टूटी है, अतः यह हनुमान कहलायेगा। मेरे वज्र से यह नहीं मरेगा।

सूर्य ने अपना सौंवा भाग हनुमान को दे दिया और भविष्य में सब शास्त्र पढ़ाने का उत्तरदायित्व लिया।

यम ने उसे अपने दंड से अभय कर दिया कि वह यम के प्रकोप से नहीं मर पायेगा।

वरुण ने दस लाख वर्ष तक वर्षादि में नहीं मरने का वर दिया।

कुबेर ने अपने अस्त्र-शस्त्रों से निर्भय कर दिया।

महादेव ने किसी भी अस्त्र से न मरने का वर दिया।

ब्रह्मा ने हनुमान को दीर्घायु बताया और ब्रह्मास्त्र से न मरने का वर दिया। साथ ही यह वर भी प्रदान किया कि वह इच्छानुसार रूप धारण करने में समर्थ होगा।

विश्वकर्मा ने अपने बनाये अस्त्र-शस्त्रों से उसे निर्भय कर दिया।

वर-प्राप्ति के उपरांत हनुमान उद्धत भाव से घूमने लगे। यज्ञ करते हुए मुनियों की सामग्री बिखेर देते या उन्हें तंग करते। पिता वायु और केसरी के रोकने पर भी वे रूकते नहीं थे। अंगिरा और भृगुवंश में उत्पन्न ऋषियों ने क्रुद्ध होकर उन्हें शाप दिया कि ये अपने बल को भूल जायें। जब कोई उन्हें फिर से याद दिलाए तब उनका बल बढ़े।

सुरसा से सामना

सीता-हरण के उपरांत राम रावण से युद्ध करने की तैयारी में लग गये। सुग्रीव की वानर सेना ने राम का पूरा साथ दिया। सुरसा रामायण के अनुसार समुद्र में रहने वाली नागमाता थी। सीताजी की खोज में समुद्र पार करने के समय सुरसा ने राक्षसी का रूप धारण कर हनुमान का रास्ता रोका और उन्हें खा जाने के लिए उद्धत हुई। समझाने पर जब वह नहीं मानी, तब हनुमान ने अपना शरीर उससे भी बड़ा कर लिया। जैसे-जैसे सुरसा अपना मुँह बढ़ाती जाती, वैसे-वैसे हनुमान शरीर बढ़ाते जाते। बाद में हनुमान ने अचानक ही अपना शरीर बहुत छोटा कर लिया और सुरसा के मुँह में प्रवेश करके तुरंत ही बाहर निकल आये। सुरसा ने प्रसन्न होकर हनुमान को आशीर्वाद दिया तथा उनकी सफलता की कामना की। सुरसा का सामना करने के बाद रामभक्त हनुमान सीताजी की खोज के लिए आगे बढ़ गये।

रामचंद्र ने हनुमान को अपना दूत बनाकर लंका नगरी में रावण के पास भेजा। लंका के निकट पहुंचकर हनुमान ने बहुत छोटा रूप धारण किया तथा रात्रि के अंधकार में उसमें प्रवेश किया। लंका एक भयंकर नारी का रूप धारण करके हनुमान के पास पहुंची और बोली- मैं इस नगरी की रक्षा करती हूं, तुम मुझे परास्त किये बिना इसमें प्रवेश नहीं पा सकते। साथ ही लंका ने हनुमान के मुंह पर एक चपत लगायी। हनुमान ने उसे नारी जानकर एक हल्का-सा घूंसा मारा किंतु वह गिर पड़ी और परास्त हो गयी। तदनंतर अत्यंत मुदित भाव से बोली-मुझे ब्रह्मा ने वरदान दिया था कि जब कोई वानर आकर तुम्हें परास्त कर देगा तब समझ लेना, राक्षसों का नाश हो जायेगा। रावण ने सीता-हरण के द्वारा राक्षसों के नाश को आमन्त्रित किया है। तुम सीता को जाकर ढूंढ़ो।

सीताजी से भेंट

हनुमान ने अशोकवाटिका में सीता को राम का संदेश दिया तथा लंका नगरी में उत्पात खड़ा कर दिया। अनेक राक्षसों को परास्त करके हनुमान ने अपनी वीरता का प्रदर्शन किया। अंत में रावण ने मेघनाद को भेजा। मेघनाद ने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग करके हनुमान को बांध लिया तथा उसे रावण के पास ले गया। रावण ने पहले तो उसे मृत्युदंड देने का विचार किया किंतु विभीषण के यह सुझाने पर कि किसी के दूत को मारना उचित नहीं है, रावण ने उसकी पूंछ जलवाकर उसे छोड़ दिया। जलती हुई पूंछ से हनुमान ने समस्त लंका जला डाली, फिर सीता को प्रणाम करके, समुद्र पार करके अंगद के पास पहुंचा। राम-रावण के प्रत्यक्ष युद्ध में भी हनुमान का अद्वितीय योगदान था। युद्धक्षेत्र में शत्रुओं के नाश और मित्रों की परिचर्या में वह समान रूप से दत्तचित्त रहता था।

जब श्रीराम ने किया हनुमान जी के अहंकार का नाश

यह कथा उस समय की है जब लंका जाने के लिए भगवान श्रीराम ने सेतु निर्माण के पूर्व समुद्र तट पर शिवलिंग स्थापित किया था। वहाँ हनुमानजी को स्वयं पर अभिमान हो गया तब भगवान राम ने उनके अहम का नाश किया। यह कथा इस प्रकार है- जब समुद्र पर सेतुबंधन का कार्य हो रहा था तब भगवान राम ने वहाँ गणेशजी और नौ ग्रहों की स्थापना के पश्चात शिवलिंग स्थापित करने का विचार किया। उन्होंने शुभ मुहूर्त में शिवलिंग लाने के लिए हनुमानजी को काशी भेजा। हनुमानजी पवन वेग से काशी जा पहुँचे। उन्हें देख भोलेनाथ बोले- पवनपुत्र! दक्षिण में शिवलिंग की स्थापना करके भगवान राम मेरी ही इच्छा पूर्ण कर रहे हैं क्योंकि महर्षि अगस्त्य विन्ध्याचल पर्वत को झुकाकर वहाँ प्रस्थान तो कर गए लेकिन वे मेरी प्रतीक्षा में हैं। इसलिए मुझे भी वहाँ जाना था। तुम शीघ्र ही मेरे प्रतीक को वहाँ ले जाओ। यह बात सुनकर हनुमान गर्व से फूल गए और सोचने लगे कि केवल वे ही यह कार्य शीघ्र-अतिशीघ्र कर सकते हैं। यहाँ हनुमानजी को अभिमान हुआ और वहाँ भगवान राम ने उनके मन के भाव को जान लिया। भक्त के कल्याण के लिए भगवान सदैव तत्पर रहते हैं। हनुमान भी अहंकार के पाश में बंध गए थे। अतः भगवान राम ने उन पर कृपा करने का निश्चय कर उसी समय वारनराज सुग्रीव को बुलवाया और कहा-हे कपिश्रेष्ठ! शुभ मुहूर्त समाप्त होने वाला है और अभी तक हनुमान नहीं पहुँचे। इसलिए मैं बालू का शिवलिंग बनाकर उसे यहाँ स्थापित कर देता हूँ। तत्पश्चात उन्होंने सभी ऋषि-मुनियों से आज्ञा प्राप्त करके पूजा-अर्चनादि की और बालू का शिवलिंग स्थापित कर दिया। ऋषि-मुनियों को दक्षिणा देने के लिए श्रीराम ने कौस्तुम मणि का स्मरण किया तो वह मणि उनके समक्ष उपस्थित हो गई। भगवान श्रीराम ने उसे गले में धारण किया। मणि के प्रभाव से देखते-ही-देखते वहाँ दान-दक्षिणा के लिए धन, अन्न, वस्त्र आदि एकत्रित हो गए। उन्होंने ऋषि-मुनियों को भेंटें दीं। फिर ऋषि-मुनि वहाँ से चले गए। मार्ग में हनुमानजी से उनकी भेंट हुई। हनुमानजी ने पूछा कि वे कहाँ से पधार रहे हैं? उन्होंने सारी घटना बता दी। यह सुनकर हनुमानजी को क्रोध आ गया। वे पलक झपकते ही श्रीराम के समक्ष उपस्थिति हुए और रुष्ट स्वर में बोले-भगवन! यदि आपको बालू का ही शिवलिंग स्थापित करना था तो मुझे काशी किसलिए भेजा था? आपने मेरा और मेरे भक्तिभाव का उपहास किया है। श्रीराम मुस्कराते हुए बोले-पवनपुत्र! शुभ मुहूर्त समाप्त हो रहा था, इसलिए मैंने बालू का शिवलिंग स्थापित कर दिया। मैं तुम्हारा परिश्रम व्यर्थ नहीं जाने दूँगा। मैंने जो शिवलिंग स्थापित किया है तुम उसे उखाड़ दो, मैं तुम्हारे लाए हुए शिवलिंग को यहाँ स्थापित कर देता हूँ। हनुमान प्रसन्न होकर बोले-ठीक है भगवन! मैं अभी इस शिविलंग को उखाड़ फेंकता हूँ। उन्होंने शिवलिंग को उखाड़ने का प्रयास किया, लेकिन पूरी शक्ति लगाकर भी वे उसे हिला तक न सके। तब उन्होंने उसे अपनी पूंछ से लपेटा और उखाड़ने का प्रयास किया। किंतु वह नहीं उखड़ा। अब हनुमान को स्वयं पर पश्चात्ताप होने लगा। उनका अहंकार चूर हो गया था और वे श्रीराम के चरणों में गिरकर क्षमा माँगने लगे। इस प्रकार हनुमान ने अहम का नाश हुआ। श्रीराम ने जहाँ बालू का शिवलिंग स्थापित किया था उसके उत्तर दिशा की ओर हनुमान द्वारा लाए शिवलिंग को स्थापित करते हुए कहा कि 'इस शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने के बाद मेरे द्वारा स्थापित शिवलिंग की पूजा करने पर ही भक्तजन पुण्य प्राप्त करेंगे।' यह शिवलिंग आज भी रामेश्वरम में स्थापित है और भारत का एक प्रसिद्ध तीर्थ है।

CMYK

विदेशी मुद्रा भंडार 582 डॉलर के पार

मुंबई: देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 582 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 16 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का देश का भंडार 1.19 अरब डॉलर बढ़कर 582.41 अरब डॉलर पर रहा। इससे पहले 09 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 4.34 अरब डॉलर बढ़कर 581.21 अरब डॉलर पर था। केंद्रीय बैंक ने बताया कि 16 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.13 अरब डॉलर चढ़कर 540.59 अरब डॉलर पर रहा। स्वर्ण भंडार भी 3.40 करोड़ डॉलर बढ़कर 35.35 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.97 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 60 लाख डॉलर की बढ़त के साथ 1.50 अरब डॉलर रहा।

लिंडे इंडिया-टाटा समूह ने भारत के लिए 24 ऑक्सीजन परिवहन टैंक हासिल किए

नई दिल्ली: लिंडे इंडिया ने एक बयान में कहा कि उसने और टाटा समूह ने भारत में कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में योगदान करने के लिए 24 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन टैंक हासिल किए हैं। बयान में कहा गया, इस राष्ट्रीय जरूरत में योगदान करने के लिए लिंडे इंडिया ने टाटा समूह और भारत सरकार के साथ हाथ मिलाया है, ताकि देश भर में तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) की उपलब्धता बढ़ाने के उपाय किए जा सकें। मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के लिए लिंडे इंडिया ने टाटा समूह के साथ साझेदारी में अंतरराष्ट्रीय सूत्रों से 24 क्रायोजेनिक टैंक हासिल किए हैं, ताकि मेडिकल ऑक्सीजन का परिवहन सुनिश्चित किया जा सके। बयान के मुताबिक, ये कंटेनर वायुमार्ग से भारत के पूर्वी हिस्से में पहुंचे हैं, जहां से लिंडे उन्हें अपने एलएमओ संयंत्र तक ले जाएगा। लिंडे के संयंत्र में ये क्रायोजेनिक आईएसओ कंटेनर एलएमओ के उपयोग के लिए तैयार और प्रमाणित किए जाएंगे। प्रत्येक कंटेनर की क्षमता 20 टन तरल आक्सीजन की है। इनका इस्तेमाल आक्सीजन इकाइयों से तरल आक्सीजन भरा कर अस्पतालों तक पहुंचाने में किया जाएगा। कंपनी का कहना है कि वह वर्तमान महामारी के शुरू होने के समय से ही उद्यमों के साथ साझेदारी कर चिकित्सकीय आक्सीजन की आपूर्ति तेज करने के नए नए उपाय करने में लगी है।

ल्यूपिन, सन फार्मा, जुबिलेंट कैडिस्टा ने अमेरिकी बाजार से अपनी दवायें वापस मंगाई

नयी दिल्ली, जेनरिक दवाओं बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ल्यूपिन, सन फार्मा और जुबिलेंट कैडिस्टा अमेरिका बाजार में अपनी विभिन्न दवाओं को वापस मंगा रही हैं। कंपनियां विभिन्न कारणों से इन दवाओं को वापस मंगा रहीं हैं। अमेरिका दवाओं का सबसे बड़ा बाजार है। अमेरिका के खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ल्यूपिन की अमेरिका स्थित इकाई सेफप्राजिल की 17,814 शीशियों को बाजार से वापस मंगा रही है। इस दवा का इस्तेमाल कान, त्वचा और अन्य प्रकार के कीटाणु संक्रमण के इलाज में किया जाता है। यूएसएफडीए ने कहा कि कंपनी इस दवा की प्रभावित खेप को बाजार से वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए ने इसी प्रकार आगे कहा है कि सन फार्मा अपनी मधुमेह के इलाज में काम आने वाली दवा रियोमेट की 13,834 शीशियों को बाजार से वापस मंगा रही है। इस दवा की प्रभावित खेप को अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित सन फामास्युटिकल इंडस्ट्रीज इंक ने बाजार में उतारा है। अमेरिका स्थित एक अन्य कंपनी जुबिलेंट कैडिस्टा फार्मास्युटिकल्स भी अपनी 12,192 शीशियों को बाजार से वापस मंगा रही है। इस दवा में कुछ खामी रह गई है। यह कंपनी नोएडा स्थित जुबिलेंट लाइफ साइंसेज कंपनी का हिस्सा है।

देश में 46 गीगावॉट के 38 बिजली संयंत्रों के पास सात दिन से कम का कोयला भंडार : आंकड़े

नयी दिल्ली,

देश में 46,720 मेगावॉट की सामूहिक क्षमता के 38 बिजली संयंत्रों के पास बृहस्पतिवार तक सात दिन से भी कम का कोयला भंडार बचा था। केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईए) के कोयले के दैनिक भंडार के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, सीईए की 22 अप्रैल, 2021 की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में 1,66,406 मेगावॉट की सामूहिक क्षमता के 135 बिजली संयंत्रों में किसी के पास कोयला भंडार की स्थिति गंभीर या अति गंभीर नहीं थी। यदि किसी संयंत्र के पास सात दिन से कम को कोयला भंडार शेष रहता है, तो यह गंभीर स्थिति मानी जाती है। वहीं तीन दिन से कम का कोयला भंडार अति गंभीर स्थिति होती है। सीईए रोजाना के आधार पर इन संयंत्रों में कोयला भंडार की स्थिति की निगरानी करता है। बिजली क्षेत्र के एक विशेषज्ञ ने कहा कि सीईए द्वारा किसी संयंत्र को कोयला भंडार के मामले में गंभीर या अति गंभीर के रूप में वर्गीकृत करने की वजहें हो सकती हैं, लेकिन तथ्य यह है कि बिजली संयंत्रों में कोयले की कमी है। ऐसे में आगामी दिनों में पारा चढ़ने के साथ खपत बढ़ने से बिजली उत्पादन प्रभावित हो सकता है। देश में 31 मार्च, 2021 तक कुल स्थापित बिजली क्षमता 377 गीगावॉट की थी। इसमें 200 गीगावॉट कोयला आधारित, 48 मेगावॉट पन बिजली और 93 गीगावॉट अक्षय (सौर या पवन) ऊर्जा क्षमता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सौर या पन बिजली स्त्रोतों से गर्मियों में उत्पादन बढ़ेगा, लेकिन कोयला आधारित संयंत्र मुख्य लोड उठाते हैं, जो ग्रिड की स्थिरता और गर्मियों के सीजन की ऊंची मांग को पूरा करने के लिए जरूरी है।

जेएसपीएल के रायगढ़ संयंत्र से आक्सीजन टेंकर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचा

नयी दिल्ली, जेएसपीएल के चेयरमैन नवीन जिंदल ने रविवार को कहा कि उनके छत्तीसगढ़ के रायगढ़ स्थित इस्पात कारखाने से तरल चिकित्सा आक्सीजन से भरा टेंकर रविवार को गुरुग्राम के मेदांता हास्पिटल पहुंच गया। जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के चेयरमैन ने एक ट्वीट कर कहा, ''जेएसपीएल कंपनी के रायगढ़ से भेजा गया लिक्विड मेडिकल आक्सीजन टेंकर, गुरुग्राम स्थित मेदांता हास्पिटल पहुंच गया है।'' लगातार किये गये ट्वीट में जिंदल ने कहा है कि जेएसपीएल के आक्सीजन कारखाने में टेंकरों को तरल चिकित्सा आक्सीजन से भरा जा रहा है और देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जा रहा है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि रविवार को सुबह होने से पहले ही 16 टन तरल चिकित्सा आक्सीजन लेकर एक टेंकर जेएसपीएल के रायगढ़ संयंत्र से दिल्ली के बतरा अस्पताल पहुंच गया। जिंदल ने इससे पहले शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी थी कि उनके रायगढ़ स्थित कारखाने से तरल चिकित्सा आक्सीजन लेकर टेंकर दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल, बत्रा अस्पताल, मेदांता अस्पताल और आर्टेमिस हास्पिटल पहुंचेंगे।

इफको का तीसरा ऑक्सीजन संयंत्र 30 मई से परिचालन शुरू कर देगा

नई दिल्ली:

उर्वरक सहकारिता संस्था इफको ने रविवार को कहा कि उसका तीसरा ऑक्सीजन संयंत्र 30 मई तक परिचालन में आएगा। यह संयंत्र उत्तर प्रदेश के फूलपुर में लगाया जा रहा है। यह संयंत्र राज्य और आसपास के क्षेत्रों के अस्पतालों को मुफ्त में ऑक्सीजन की आपूर्ति करेगा। इफको देश में 30 करोड़ रुपए की लागत से चार ऑक्सीजन संयंत्र लगा रही है। इनमें उत्तर प्रदेश में दो संयंत्र-बरेली के आंवला और प्रयागराज के फूलपुर में लगाए जा रहे हैं। एक-एक संयंत्र ओडिशा के पारादीप और गुजरात के कलोल में लगाया जा रहा है। इफको के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) यू एस अवस्थी ने ट्वीट कर कहा कि सहकारी संस्था ने फूलपुर इकाई में तीसरा ऑक्सीजन संयंत्र लगाने के लिए ऑर्डर दे दिया है। इस संयंत्र की क्षमता 130 घनमीटर प्रति घंटे की होगी। इसके जरिए अस्पतालों को मुफ्त ऑक्सीजन की आपूर्ति की जाएगी। यह संयंत्र 30 मई को परिचालन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि इफको की ओडिशा की पारादीप इकाई में चौथे ऑक्सीजन संयंत्र को लगाने का काम भी तेजी से हो रहा है।

कोविड से जुड़े घटनाक्रमों, तिमाही नतीजों से तय होगी बाजार की दिशा

बिजनेस डेस्क:

कंपनियों के तिमाही नतीजों, कोविड-19 संक्रमण से जुड़ी खबरों तथा वैश्विक संकेतक इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों का कहना है कि डेरिवेटिव्सस अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा निवेशकों की निगाह विदेशी निवेशकों के रुख, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों तथा रुपए के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी। देश में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के बीच संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जिससे शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 953.58 अंक या 1.95 प्रतिशत टूट गया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा, ÷इस सप्ताह भी बाजार में उतार-चढ़ाव कायम रहेगा। अप्रैल माह के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। 30 अप्रैल को बुनियादी क्षेत्र के आंकड़े आने हैं। इसका असर भी बाजार पर दिखेगा। यह कहने की जरूरत नहीं है कि कोविड से जुड़े घटनाक्रमों पर भागीदारों की निगाह रहेगी। इस सप्ताह एक्सिस बैंक, मारुति, बजाज ऑटो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंडसइंड बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं। इसके अलावा टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान जिंक, टाइटन कंपनी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के नतीजों की भी घोषणा होगी।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''जब तक कोविड के मामले बढ़ेंगे, बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। निवेशकों की निगाह सरकार के कदमों तथा टीकाकरण अभियान की प्रगति पर रहेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा निवेशकों की निगाह फेडरल रिजर्व की मौद्रिक समीक्षा और अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों पर भी रहेगी। इससे निकट भविष्य में वैश्विक बाजार प्रभावित होंगे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कोविड के बढ़ते मामलों के बीच तिमाही नतीजों के चलते कुछ शेयर विशेष में गतिविधियां रहेंगी, जिससे बाजार का रुख तय होगा। सैमको सिक्योरिटीज की इक्विटी शोध प्रमुख निराली शाह ने कहा, ''सप्ताह के दौरान दुनियाभर के निवेशकों की निगाह एफओएमसी बैंक के नतीजों पर रहेगी।

ओएनजीसी को तेल क्षेत्रों में हिस्सेदारी बेचने, ड्रिलिंग कारोबार को अलग करने को कहा गया

नई दिल्ली:

पेट्रोलियम मंत्रालय ने देश की सबसे बड़ी तेल एवं गैस उत्पादक ओएनजीसी से अपने उत्पादक तेल क्षेत्रों मसलन रत्ना आर-श्रृंखला में हिस्सेदारी निजी कंपनियों को बेचने को कहा है। इसके अलावा मंत्रालय ने कंपनी से केजी बेसिन गैस क्षेत्र में विदेशी भागीदार को साथ लाने, मौजूदा ढांचे के मौद्रिकरण और ड्रिलिंग और अन्य सेवाओं को अलग इकाई के तहत लाने को कहा है। मंत्रालय ने कंपनी को सुझाव दिया है कि वह उत्पादन बढ़ाने के लिए ये कदम उठाए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (खोज) अमर नाथ ने ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुभाष कुमार को एक अप्रैल को पत्र लिखकर सात-सूत्रीय कार्रवाई योजना का क्रियान्वयन करने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि इससे ओएनजीसी 2023-24 तक अपने तेल एवं गैस उत्पादन में एक-तिहाई की बढ़ोतरी कर सकेगी। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में ओएनजीसी को अपने तेल एवं गैस क्षेत्रों के निजीकरण के लिए तीसरी बार कहा गया है। इससे पहले अक्टूबर, 2017 में मंत्रालय की तकनीकी इकाई हाइड्रोकॉर्बन महानिदेशालय ने 79.12 करोड़ टन कच्चे तेल और 333.46 अरब घनमीटर गैस के सामूहिक भंडार के 15 उत्पादक क्षेत्रों की पहचान की थी, जिन्हें निजी क्षेत्र को सौंपने की सलाह दी थी। महानिदेशालय का मानना था कि इससे इन क्षेत्रों के अनुमान और खोज में सुधार हो सकेगा। एक साल बाद ओएनजीसी के 149 ऐसे छोटे और सीमान्त क्षेत्रों की पहचान की गई, जिन्हें निजी और विदेशी कंपनियों को सौंपा जाए और कंपनी सिर्फ बड़े क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी। सूत्रों ने बताया कि ओएनजीसी के कड़े विरोध के कारण पहली योजना को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। दूसरी योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजा गया। मंत्रिमंडल ने 19 फरवरी, 2019 को ओएनजीसी के 64 सीमान्त क्षेत्रों के लिए बोलियां मंगवाने का फैसला किया लेकिन इस निविदा को काफी ठंडी प्रतिक्रिया मिली और ओएनजीसी को इस शर्त के साथ 49 क्षेत्र अपने पास रखने की अनुमति दी गई कि वह कड़ाई से इनके प्रदर्शन की निगरानी करेगी। मंत्रालय के एक अप्रैल, 2021 के नोट में कहा गया है कि मंत्रिमंडल के फैसले के बाद अब दो साल हो चुके हैं। ऐसे में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वाले क्षेत्रों की पहचान कर उनका विनिवेश और निजीकरण किया जाना चाहिए।

गूगल का पिक्सल 5ए 11 जून को हो सकता है लॉन्च

सैन फ्रांसिस्को।

गूगल ने हाल ही में अपने आगामी स्मार्टफोन पिक्सल 5ए को बाजार में उतारने को लेकर घोषणा की है, जिसे 11 जून को लॉन्च किया जा सकता है। कैमरा फीचर्स और एचडीआर प्लस एल्गोरिदम की क्षमताओं से संबंधित एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में, कंपनी ने पहले से मौजूद पिक्सल फोन के साथ लिए गए कैमरा सैंपल से भरी गूगल फोटो गैलरी को लिंक किया है। कंपनी ने ब्लॉग पोस्ट पर दो तस्वीर साझा की हैं। जीएसएमएरिना की रिपोर्ट अनुसार, यह संकेत मिला है कि इसका स्नैपड्रैगन 765 जी चिपसेट और 5जी कनेक्टिविटी के साथ केवल एक ही वेरिएंट होगा। इसमें कोई भी 4जी विकल्प मिलने की उम्मीद नहीं है। ईएक्सआईएफ डेटा में भी संकेत दिए गए हैं कि इस फोन में एक अल्ट्रावाइल्ड कैमरा हो सकता है। सैंपल फोटो पिछले साल 1 अक्टूबर को ली गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी तस्वीर में किसी भी ईएक्सआईएफ डेटा का तो अभाव है मगर यह पिक्सल 5ए है। डिवाइस के ऊपर और नीचे न्यूनतम बेजल्स के साथ डिवाइस में पंच-होल डिस्प्ले मिलने की उम्मीद है। आगामी पिक्सल 5ए में 6.2 इंच की एफएचडी प्लस ओएलईडी डिस्प्ले होने की उम्मीद है।

बीते वित्त वर्ष में म्यूचुअल फंड उद्योग के फोलियो की संख्या 81.19 लाख बढ़ी

नई दिल्ली:

म्यूचुअल फंड उद्योग ने बीते वित्त वर्ष 2020-21 में 81 लाख नए निवेशक खाते जोड़े। इस तरह म्यूचुअल फंड इकाइयों के फोलियो का कुल आंकड़ा 9.78 करोड़ पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में भी म्यूचुअल फंड उद्योग के फोलियो में वृद्धि का सिलसिला जारी रहेगा। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। उद्योग ने वित्त वर्ष 2019-20 में 72.89 लाख फोलियो जोड़े थे। मॉर्निंगस्टार इंडिया के निदेशक प्रबंधक शोध कौस्तुभ बेलापुरकर ने कहा, ÷निवेशक अब दीर्घावधि के साथ लघु अवधि के वित्तीय लक्ष्यों के लिए म्यूचुअल फंड के प्रति जागरूक हो रहे हैं।%% उन्होंने कहा कि निवेशक जागरूकता कार्यक्रम, म्यूचुअल फंड कंपनियों, वित्तीय सलाहकारों तथा वितरकों द्वारा निवेशकों किए गए जमीनी कार्यों से म्यूचुअल फंड में निवेश को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। फोलियो व्यक्तिगत निवेशकों को दी गई संख्या होती है। एक निवेशक के कई फोलियो हो सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, 43 म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास फोलियो की संख्या मार्च, 2021 के अंत तक बढ़कर 9,78,65,529 हो गई। मार्च, 2020 के अंत तक यह 8,97,46,051 थी। इस तरह फोलियो की संख्या में 81.19 लाख की बढ़ोतरी हुई।

तैयार, निर्माणाधीन आवासीय परियोजनाओं में मूल्य अंतर घटकर 3- 5 प्रतिशत रह गया: रिपोर्ट

नयी दिल्ली,

तैयार आवासीय परियोजनाओं और निर्माणाधीन आवास परियोजनाओं के बीच फ्लैट का मूल्य अंतर कम होकर 3 से 5 प्रतिशत रह गया है जबकि चार साल पहले यह अंतर 9 से 12 प्रतिशत के बीच था। आवासीय परियोजनाओं पर नजर रखने वाले कंपनी एनारॉक ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुये कहा है कि घर खरीदार जोखिम के विभिन्न कारणों को देखते हुये बने बनाये मकानों को अधिक तवज्जो दे रहे हैं। एनारॉक की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के सात प्रमुख शहरों में निर्माणाधीन आवासीय संपत्तियों के मुकाबले तैयार आवासीय परियोजनाओं का मूल्य 3- 5 प्रतिशत तक ऊंचा रहा है। इसके मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तैयार परियोजनाओं में आवासीय इकाइयों का मूल्य औसतन 4,650 रुपये प्रति वर्गमीटर चल रहा है जबकि इसी क्षेत्र में निर्माणाधीन इकाइयों के लिये दाम 4,500 रुपये प्रति वर्गमीटर के दायरे में हे। वहीं कोलकाता की यदि बात की जाये तो यहां तैयार फ्लैट का दाम 4,465 रुपये प्रति वर्गफुट है जबकि निर्माणाधीन संपत्तियों का दाम इससे चार प्रतिशत नीचे 4,300 रुपये प्रति वर्गफुट चल रहा है। मुंबई महानगर क्षेत्र में तैयार आवासीय इकाइयों के लिये औसत दाम 10,700 रुपये प्रति वर्गुफट है जबकि निर्माणाधीन इकाइयों के लिये यह 10,350 रुपये वर्ग फुट चल रहा है। महाराष्ट्र के ही एक अन्य शहर पुणे में तैयार अपार्टमेंट के लिये औसत मूल्य 5,650 रुपये प्रति वर्गफुट बोला जा रहा है जो कि निर्माणाधीन इकाई के लिये 5,360 रुपये वर्गफुट है। हैदराबाद में भी इस तरह के तैयार और निमार्णाधीन फ्लेट के बीच मूल्य का अंतर पांच प्रतिशत रह गया है। यही स्थिति चेन्नई और बेंगलुरु में भी है। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, ''पहले निमार्णाधीन परियोजनाओं में खरीदारी करने वालों को एक बड़ा फायदा होता था, उसे परियोजना तैयार होने तक को धैर्य और जोखिम उठाना पड़ता था उसके बदले उसे काफी कम दाम पर संपत्ति मिलती थी।

रियलमी ने रियलमी 8 5जी प्रस्तुत किया; मीडियोटेक डायमेंशिटी 700 5जी प्रोसेसर के साथ भारत का पहला स्मार्टफोन

भारत में 5जी इनेबल्ड स्मार्टफोन लॉन्च करने वाले पहले ब्रांड रियलमी ने आज अपनी नंबर सीरीज़ में सबसे ज्यादा प्रतीक्षित — रियलमी 8 5जी का अनावरण किया। रियलमी 8 5जी भारत का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें मीडियाटेक डायमेंशिटी 700 5जी प्रोसेसर है, जो सुपर स्लिम डिज़ाईन, अल्ट्रा स्मूथ डिस्प्ले, ड्युअल 5जी ड्युअल स्टैंडबाय, विशाल बैटरी एवं स्मार्ट 5जी पॉवर सेविंग तथा शानदार कैमरा क्वालिटी के साथ बना है। रियलमी 8 5जी स्मार्टफोन यूज़र्स को किफायती मूल्य में बहुत व्यापक अनुभव प्रदान करता है।यह ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ उत्पाद प्रस्तुत करता है, जिससे यह भारत में 5जी लीडर बनने के अपने लक्ष्य के नज़दीक आ रहा है।

लॉन्च के अवसर पर, श्री माधव शेठ वाईस प्रेसिडेंट, रियलमी एवं चीफ एक्ज़िक्यूटिव ऑफिसर, रियलमी इंडिया व यूरोप ने कहा, ''रियलमी में हम सदैव अपने उपभोक्ताओं को विकसित होती हुई अत्याधुनिक टेक्नॉलॉजी प्रदान करने का प्रयास करते हैं। 5 जी लीडर बनने के अपने उद्देश्य के अनुरूप हमने नंबर सीरीज़ में अपना पहला 5जी स्मार्टफोन लॉन्च किया है। रियलमी 8 5जी इस उद्देश्य की ओर हमारा प्रयास है। हम 5जी इनेबल्ड स्मार्टफोंस की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बड़ी योजनाएं बना रहे हैं। हम हर भारतीय घर में विविध मूल्यों में और ज्यादा 5जी स्मार्टफोन प्रस्तुत करेंगे। रियलमी 8 5जी के साथ यूज़र्स असीमित स्पीड का आनंद ले सकेंगे। इसमें मीडियाटेक डायमेंशिटी 700 5जी प्रोसेसर है।5जी में लीडर के रूप में रियलमी विभिन्न मूल्य वर्गों में अनेक 5जी मॉडल प्रस्तुत करके 5जी स्मार्टफोन सभी के लिए किफायती बनाता रहेगा।

खाने की इन तीन चीजों से बनायें अपनी इम्युषनिटी!

महामारी के इस दौर में देशभर में लोग न्यू नॉर्मल के साथ जीना सीख गये हैं और 'इम्यु निटी' सबसे चर्चित शब्द बन गया है। इतना ही नहीं, मानसून में इंफेक्शेन और फ्लू की आशंका भी बढ़ जाती है। ऐसे में सवाल यहय उठता है कि एक व्यक्ति अपनी इम्युमनिटी को मजबूत बनाने के लिये क्याा कर सकता है?

इसका जवाब आसान है। अच्छाय खायें! भरपूर पोषण और एक स्वकस्थय लाइफस्टा्इल हमेशा से ही महत्वहपूर्ण रहा है, लेकिन इससे भी ज्या दा अब पोषण से भरपूर भोजन एक मजबूत इम्युान सिस्ट्म में मदद कर सकता है। माधुरी रूइया, न्यूीट्रिशन स्पोशलिस्टज एवं पिलेट्स एक्स पर्ट के अनुसार, 3 ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें आपको अभी अपने भोजन में शामिल करना चाहिये ताकि आप अपनी इम्येुनिटी को मजबूत बना सकें-

पोषण से भरपूर बादाम- बादाम एक अच्छाय खाद्य पदार्थ जिसे आसानी से किसी के भी भोजन में शामिल किया जा सकता है। ये पोषण से भरपूर होते हैं, जिन्हेंं पेट भरने के गुणों के लिये जाना जाता है। साथ ही ये एक हेल्दीा और टेस्टीे स्नैतक भी माने जाते हैं। इसके साथ ही इसमें कई प्रकार के पोषक तत्वा होते हैं जोकि इम्युपनिटी को मजबूती देने में मदद करते हैं। उदाहरण के तौर पर, बादाम में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होता है, जोकि एंटीऑक्सीनडेंट की तरह काम करता है और फेफड़े की इम्युबनिटी को बेहतर काम करने में मदद करता है। विटामिन ई को वायरस तथा बैक्टौरिया की वजह से होने वाले इंफेक्शान के खिलाफ लड़ने के लिये जाना जाता है। इसके अलावा, बादाम में काफी मात्रा में कॉपर होता है। कॉपर इम्युइन सिस्टनम की सामान्यल कार्यप्रणाली में योगदान देता है। बादाम जिंक का भी स्त्रोत माना जाता है। जिंक इम्यु न सिस्टुम में मुख्य भूमिका अदा करता है और साथ ही सेल्स के सामान्यो विकास तथा जन्मजात कार्यप्रणाली के लिये जरूरी न्यूदट्रोफिल। बादाम में एक और पोषक तत्व पाया जाता है वह है आयरन। आयरन इम्युजन सेल्सु बढ़ाने और परिपक्वूता में महत्वोपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर लिम्फोहसाइट्स के। यह किसी भी प्रकार के इंफेक्शेन के प्रति एक खास प्रतिक्रिया होती है।

प्रोबायोटिक से भरपूर दही- दही में भरपूर मात्रा में प्रोबायोटिक होता है जोकि सूक्ष्मखजीवी होते हैं। इन्हेंस किसी इंसान के पेट के लिये काफी अच्छाद माना जाता है और यह इम्युकन सिस्ट म को मजबूत बनाता है। हर दिन दही खाने से व्येक्ति के पेट में अच्छे बैक्टीररिया का स्तिर बढ़ता है और रोगजनकों के खिलाफ पहला सुरक्षा कवच तैयार कर देता है। इसके साथ ही दही में कैल्शियम,मिनरल्सय और आवश्यसक विटामिन होते हैं, जोकि शरीर के लिये आवश्येक होते हैं। साथ ही ये किसी को भी मौसमी फ्लू से बचाता है। तो अपने सभी खाने में अच्छीे मात्रा में दही को शामिल करें ताकि आपकी इम्युहनिटी मजबूत हो सके, खासकर इस समय में।

CMYK

प्रीमियर लीग : चेल्सी ने वेस्ट हैम यूनाइटेड को 1-0 से हराया

लंदन। फरवरी के बाद से अपना पहला गोल दागने वाले जर्मन फॉरवर्ड टिमो वेर्नर के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत चेल्सी ने यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में वेस्ट हैम यूनाइटेड को 1-0 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार रात खेले गए इस मुकाबले में एकमात्र गोल चेल्सी की ओर से आया, जोकि वेर्नर ने 43वें मिनट में किया। वेर्नर का आरबी लिपजिग छोड़कर चेल्सी से जुड़ने के बाद से यह छठा गोल है। वेस्ट हैम की टीम के बेलब्यूएना को 81वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया और फिर इसके बाद टीम को अपने 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। हार के बाद वेस्ट हैम अब पांचवें नंबर पर कायम है और उसके चेल्सी से तीन अंक कम है।

आईपीएल-14 : सबसे निचले स्थान पर काबिज कोलकाता के सामने पंजाब की चुनौती

अहमदाबाद।

आईपीएल के 14वें सीजन में पांचवें नंबर पर काबिज पंजाब किंग्स सीजन के 21वें मैच में सोमवार को यहां नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में तालिका में सबसे निचले स्थान पर काबिज कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी। लीग के 14वें सीजन में मुंबई और चेन्नई में शुरूआती 20 मैच होने के बाद आईपीएल का पड़ाव अब अहमदाबाद पहुंच चुका है। पंजाब किंग्स ने अपने पिछले मैच में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से हराया है, जबकि कोलकाता को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कोलकाता की सबसे बड़ी चिंता उसका मध्यक्रम है, जो बड़े स्कोर करने में विफल रही है। कोलकाता के कप्तान इयोन मोर्गन भी रन बनाने में विफल रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में अब तक केवल 45 रन ही बनाए हैं। पिछले मैच में तो वह खाता खोले बिना ही आउट हो गए। कप्तान ने मैच के बाद कहा कि टीम के बल्लेबाजों को रन बनाने की अपनी इच्छाशक्ति दिखानी होगी। कोलकाता की गेंदबाजी भी चिंता का विषय बनी हुई है। महंगे खिलाड़ियों में शुमार आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस अपना प्रभाव छोड़ने में विफल रहे हैं और अब टीम प्रबंधन उनकी जगह कीवी गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन को मौका दे सकता है। पंजाब की टीम हालांकि जीत की पटरी पर लौट आई है। टीम की गेंदबाजी अब तक शानदार रही है, लेकिन उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता देखने को नहीं मिली है। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई के वापस आने से टीम को फायदा हुआ है, जिन्होंने पिछले मैच में चार ओवर में 21 रन देकर दो विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की है। टीम के लिए अच्छी बात ये है कि मयंक अग्रवाल और क्रिस गेल फॉर्म में लौट चुके हैं। कप्तान लोकेश राहुल के बल्ले से भी रन निकल रहे हैं।

टीमें (संभावित:) :

पंजाब किंग्सः केएल राहुल (कप्तान / विकेटकीपर), मयंक अग्रवाल, क्रिस गेल, मनदीप सिंह, प्रबीसिमरन सिंह, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), सरफराज खान, दीपक हुड्डा, मुरुगन अश्विन, रवि बिश्नोई, हरप्रीत बराड़, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह इशान पोरेल, दर्शन नल्कंडे, क्रिस जॉर्डन, दाविद मालन, झे रिचर्डसन, शाहरुख खान, रिले मेरेडिथ, मोइसेस हेनरिक्स, जलज सक्सेना, उत्कर्ष सिंह, फैबियन एलन, सौरभ कुमार।

कोलकाता नाइट राइडर्सः शुभमन गिल, नितीश राणा, टिम सेफर्ट (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, रिंकू सिंह, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), इयोन मोर्गन (कप्तान), आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, वरुण सीवी, कुलदीप यादव, पैट कमिंस, लॉकी। फर्ग्यूसन, कमलेश नागरकोटी, शिवम मावी, संदीप वारियर, परिधि कृष्ण, शाकिब अल हसन, शेल्डन जैक्सन, वैभव अरोड़ा, करुण नायर, हरभजन सिंह, बेन कटिंग, वेंकटेश अय्यर, पवन नेगी।

प्रीमियर लीग : वेस्ट हैम पर चेल्सी की जीत से टॉप 4 की रेस हुई रोमांचक

लंदन।

जर्मन फॉरवर्ड टिमो वेर्नर के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत चेल्सी ने यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में वेस्ट हैम यूनाइटेड को 1-0 से हरा दिया। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार रात खेले गए इस मुकाबले में एकमात्र गोल चेल्सी की ओर से आया, जोकि वेर्नर ने 43वें मिनट में किया। वेर्नर का आरबी लिपजिग छोड़कर चेल्सी से जुड़ने के बाद से यह छठा गोल है। वेर्नर का फरवरी के बाद से यह पहला गोल है। वहीं, नवंबर के बाद से लीग में उनका दूसरा गोल है। वेर्नर ने जीत के बाद कहा, मुझे लगता है कि मेरे पास गोल करने का दूसरा मौक था। लेकिन मैंने एक ही गोल किया। मुझे धीरे धीरे वापसी करनी होगी। मुझे लगता है कि एक गोल काफी है। वेस्ट हैम की टीम के बेलब्यूएना को 81वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया और फिर इसके बाद टीम को अपने 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा।

हार के बाद वेस्ट हैम अब पांचवें नंबर पर कायम है और उसके चेल्सी से तीन अंक कम हैं।

बंदुसलीगा : मैंज ने बायर्न म्यूनिख को 2-1 से हराया

बर्लिन। जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख को यहां बंदुसलीगा में खेले गए मुकाबले में मैंज के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद बायर्न म्यूनिख को लगातार नौवें सीजन में चैंपियन बनने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार रात यहां खेले गए मुकाबले में मैंज के लिए बकार्डट ने तीसरे और कैसन ने 37वें मिनट में गोल दागे। वहीं, बायर्न म्यूनिख के लिए रोबर्ट लेवांडोवस्की ने इंजुरी टाइम में एकमात्र गोल किया। हालांकि इस हार के बाद भी मौजूदा चैंपियन को ज्यादा झटका नहीं लगा है क्योंकि खिताब जीतने के लिए उसे अपने बाकी बचे तीन मैचों में से केवल एक ही अंक की जरूरत है। हार के बाद अब बायर्न म्यूनिख 31 मैचों में 71 अंकों के साथ तालिका में टॉप पर है। वहीं, इस मैच को जीतने के बाद भी मैंज अभी 12वें नंबर पर है।

टेनिस : बार्सिलोना ओपन में खिताब के लिए भिड़ेंगे नडाल और सितसिपास

बार्सिलोना।

विश्व रैंकिंग में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल ने हमवतन पाब्लो कैरेनो बुस्ता अगुट को 6-3, 6-2 से हराकर करियर में 12वीं बार बार्सिलोना ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां अब खिताब के लिए उसका सामना वर्ल्ड नंबर 5 मिस्र के स्टेफानोस सितसिपास से होगा। 11 बार बार्सिलोना ओपन का खिताब जीत चुके नडाल शनिवार रात इस जीत के साथ ही बुस्ता के खिलाफ अब अपना एटीपी करियर रिकॉर्ड 8-0 का कर लिया है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने 89 मिनट में यह मुकाबला जीतकर 69वीं बार क्ले कोर्ट के फाइनल में प्रवेश किया। नडाल ने इस जीत के बाद कहा, इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर मैं बहुत खुश हूं। यह एक घरेलू टूर्नामेंट है और मेरे लिए यह काफी महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि आज मैंने अन्य दिनों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया। अपने 12वें एटीपी 500 टूर्नामेंट खिताब की तलाश में लगे नडाल एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 12 या उससे ज्यादा बार एक ही टूर्नामेंट को जीता है। उन्होंने 12 बार रोलां गैरों खिताब भी अपने नाम किया है। नडाल का बार्सिलोना ओपन के सेमीफाइनल और फाइनल में 23-1 का रिकॉर्ड है वह एक अब तक केवल एक ही बार 2019 में डोमिनीक थिएम से हारे हैं। फाइनल में अब नडाल का सामना सितसिपास से होगा। दोनों खिलाड़ी इससे पहले 2018 में भी बार्सिलोना ओपन के फादनल में एक दूसरे के खिलाफ कोर्ट पर उतर चुके हैं, जहां नडाल ने सितसिपास को मात दी थी

संक्षिप्त समाचार

ला लीगा : रियल मैड्रिड ने रियल बेटिस के साथ खेला गोलरहित ड्रॉ

बार्सिलोना। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड को शनिवार रात यहां स्पेनिश लीग ला लीगा में खेले गए मुकाबले में रियल बेटिस के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेलना पड़ा। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, जेनेदिन जिदान की टीम इस ड्रॉ के बाद लीग की अंकतालिका में टॉप पर पहुंचने से चूक गई। ड्रॉ के बाद रियल मैड्रिड 33 मैचों में 71 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। शनिवार रात खेले इस मुकाबले में ईडन हेजार्ड की वापसी हुई, लेकिन वे टीम को बढ़त नहीं दिला सके। दोनों टीमों को पहले हाफ में कुछ मौके मिले, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। हालांकि दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों को कुछ मौके हाथ, लेकिन वे इसमें विफल रहे और उन्हें अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा। बेटिस 50 अंको के साथ छठे नंबर पर है।

कोलकाता का फर्ग्यूसन को नहीं खिलाने का फैसला समझ से परे : अगरकर

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज अजीत अगरकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार हार से बचने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के थिंक-टैंक को अपने प्लेइंग इलेवन में को जल्द से जल्द ठीक करने की बात कही है। कोलकाता को शनिवार को आईपीएल 14 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अगरकर ने कहा, बल्लेबाजी लाइन-अप प्रतिभाओं से भरा है, क्षमता से भरा है, वे सिर्फ अच्छा नहीं खेल रहे हैं। आप चेन्नई में कुछ पिचों का बहाना बना सकते हैं और कह सकते हैं कि ओह, वो कठिन विकेट थी और शायद इसीलिए उन्हें अपनी लय नहीं मिली। लेकिन यहां (मुंबई में) आपका कोई बहाना नहीं चलेगा। उन्होंने कहा, यह शायद 200 रन वाली विकेट नहीं थी। लेकिन उनके पास ऐसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं, उसे देखते हुए उन्हें कम से कम 160 रन तो बनाना ही चाहिए। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, लॉकी फर्ग्यूसन, जब यूएई में पिछले सीजन में टीम में आए थे, तो आप देख सकते थे कि उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण को कुछ अलग दिशा दी थी। उनके पास काफी गति और विकेट लेने की क्षमता थी। उनके फर्ग्यूसन के पास विकेट लेने की क्षमता है।

राजस्थान से हार के बाद हसी ने कोलकता में बड़े बदलाव के संकेत दिए

मुंबई।

कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर डेविड हसी ने आईपीएल के 14वें सीजन में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ छह विकेट से मिली हार के बाद टीम में बड़े बदलाव के संकेत दिउन्होंने संकेत दिए हैं कि टीम प्रबंधन आंद्रे रसल को बल्लेबाजी आर्डर में ऊपर भेज सकती है, जबकि कीवी गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है।

हसी ने कहा, हमें अहम समय साझेदारी निभाने की जरूरत है। हो सकता है कि आंद्रे रसल नंबर तीन या नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। रसल 15 गेंदों पर 30 या 40 रन बना सकते हैं। मुझे लगता है कि अगर रसल नंबर तीन पर उतरते हैं तो हम 200 का स्कोर बना सकते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन इस मैच में ऐसा नहीं हो सका। हमें सभी रणनीतियों पर विचार करना होगा। हसी ने फर्ग्यूसन को अंतिम एकादश में शामिल करने का संकते देते हुए कहा, हां, वह शामिल हो सकते हैं। वह न्यूजीलैंड के शानदार गेंदबाज हैं। पिछले साल भी उन्होंने कोलकाता के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था और अब बाकी बचे मैचों में भी उनका चयन हो सकता है। कुछ बचे मैचों को जीतने के लिए हमें मुश्किल निर्णय लेने होंगे। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने पांच मैचों में अब तक केवल 80 रन ही बनाए हैं। लेकिन टीम के मेंटर ने गिल का समर्थन करते हुए कहा, गिल का क्लास स्थाई है और वह सर्वाधिक रनों के साथ सीजन का समापन करेंगे।

दिल्ली को हैदराबाद के राशिद के खिलाफ सतर्क रहना होगा : कैफ

चेन्नई।

दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच मोहम्मद कैफ ने कहा है कि उनकी टीम को रविवार सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में विपक्षी टीम के स्पिनर राशिद खान की गेंदबाजी के खिलाफ बचकर रहना होगा। कैफ ने कहा कि चेन्नई की पिच बल्लेबाजों के लिए मुश्किल है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका अनुभवी बल्लेबाजी क्रम इस चुनौती से पार पा लेगा। कैफ ने कहा, हम राशिद खान को कैसे खेलते हैं, वह इस पिच पर हमारे लिए अहम होने वाला है। उन्होंने कहा, चेन्नई में पिच पर बल्लेबाजी मुश्किल रही है लेकिन उनका अनुभवी बल्लेबाजी लाइन अप निश्चित रूप चुनौती के लिए तैयार है। शिखर (धवन) सचमुच अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और स्मिथ ने पिछले मैच में अच्छी बल्लेबाजी की। अमित मिश्रा ने पिछले मैच में खूबसूरत गेंदबाजी की और हमारे पास रविचंद्रन अश्विन भी हैं। मार्कस स्टोयनिस ने पिछले मैच में नई गेंद के साथ अच्छी गेंदबाजी की थी और जिस तरह से ऋषभ पंत टीम की अगुआई कर रहे हैं, विशेषकर टर्निंग पिच पर, यह अच्छा संकेत रहा है। सहायक कोच ने आलराउंडर अक्षर पटेल के टीम से जुड़ने पर कहा, टीम का संतुलन अब परफेक्ट है। वह इस फ्रेंचाइजी का अहम सदस्य रहा है। उसने पिछले सीजन में टीम के उप विजेता बनने में अहम भूमिका निभाई थी और इस साल भी कुछ अलग नहीं होगा।

प्रीमियर लीग : न्यूकैसल ने लिवरपूल को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

लंदन। सब्स्टीटयूट जोए विलोक द्वारा इंजुरी टाइम में किए गए बराबरी के गोल की मदद से न्यूकैसल यूनाइटेड ने यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में लिवरपूल को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार रात खेले गए इस मुकाबले में लिवरपूल ने तीसरे मिनट में ही सालाह के गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना ली। लिवरपूल की टीम ने बढ़त को दूसरे हाफ में और फिर निर्धारित समय तक कायम रखा। लेकिन सब्स्टीटयूट विलोक ने इंजुरी टाइम में गोल दागकर लिवरपूल को अंक बांटने पर मजबूर कर दिया। विलोक पिछले 10 लीग मैचों में चार गोल दाग चुके हैं। इस ड्रॉ के बाद लिवरपूल छठे नंबर पर है, जबकि न्यूकैसल यूनाइटेड 15वें नंबर पर कायम है।

लड़कों ने वाकई विस्फोटक प्रदर्शन किया : क्रिस मौरिस

मुंबई।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के ऑलराउंडर क्रिस मौरिस ने रविवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ 10 विकेट की हार को पचाना मुश्किल था, लेकिन अब शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत पूर्ण विस्फोक प्रदर्शन था। स्टार ऑलराउंडर क्रिस मौरिस (24-4) के नेतृत्व में अपने गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन और फिर कप्तान संजू सैमसन (नाबाद 42) के नेतृत्व में बल्लेबाजों के संयमित खेल के बूते राजस्थान रॉयल्स टीम ने यहां के वानखेड़े स्टेडियम में शनिवार को खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन अपने पांचवें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। मौरिस ने मैच के बाद कहा, अगले दिन, हमने एक टीम के रूप में अच्छी चर्चा की, हमारी प्रेरणा क्या है, इस बारे में अच्छी चर्चा हुई। और लड़कों ने इसे गंभीरता से लिया। यह कुछ समय के लिए क्रिकेट मैदान पर मेरे लिए सबसे मजेदार था। पहले सात ओवरों में, हम वहां विस्फोटक प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमें पता था कि हम आरसीबी के खिलाफ 10 विकेट से हार रहे हैं। एक वजह थी कि हमने बाद में बल्लेबाजी करने का फैसला किया। यह (पिच) पर रात में गति मिलती है, जो मुझे लगता है कि यह था। हमारा प्लान आज काफी बेहतर था। यॉर्कर्स का प्लान और हमारी धीमी गेंदों को पूरा करना, हम उसमें काफी बेहतर थे। मौरिस को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन आफ द मैच का पुरस्कार मिला। आलराउंडर ने कहा, एक साफ सोच मेरे लिए कारगर रही आज। आज विकेट आसान नहीं थी पर चीजों को सरल रख मैंने अपना काम किया। स्टोक्स और जोफ्रा जैसे बड़े प्लेयर्स को खोना बहुत बड़ा नुकसान है। हमें चेहरे पर मुस्कान रख प्रदर्शन करते जाना है। मिलर को बल्लेबाजी करता देख मैं काफी हंस रहा था। परिस्थितियां बदलती रहेंगी और हमें बेहतर होते जाना है।

बंदुसलीगा : डॉर्टमंड ने वोल्सबर्ग को 2-0 से दी मात

बर्लिन। एलिंर्ग हालैंड के शानदार दो गोलों की मदद से जर्मन क्लब बोरूसिया डॉर्टमंड ने अपने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बाद भी यहां बंदुसलीगा लीग में खेले गए मुकाबले में वोल्सबर्ग को 2-0 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार रात यहां खेले गए मुकाबले में हालैंड ने 12वें और 68वें मिनट में टीम के लिए दो गोल दागे। हालैंड का सीजन का यह 25वां गोल है। टीम को 59वें मिनट में ही एक बड़ा झटका लगा, जब उसके खिलाड़ी बेलिंगम को रेड कार्ड दिखा दिया गया और टीम को अपने 10 खिलाड़ियों के इस जीत के बाद डॉर्टमंड अब प्वाइंटस टेबल में टॉप पांच में लौट आया है। हार के बाद भी वोल्सबर्ग तीसरे नंबर पर कायम है।

सूरत में सर्दी-खांसी या बुखार होगा तो प्रवेश नहीं मिलेगा

कोरोना की चिमनी के ऊपर बैठा है सूरत कोरोना केस और मौत का आंकड़ा लगातार प्रशासन की चिंता बढ़ा रही है

सूरत ।

कोरोना की चिमनी के ऊपर बैठा है सूरत। सूरत यहां कोरोना केस और मौत का आंकड़ा लगातार प्रशासन की चिंता बढ़ा रही है। ऐसे में प्रशासन द्वारा कई निर्णय लेकर कोरोना के आतंक को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। अब सूरत नगरपालिका द्वारा निर्णय लिया गया कि सर्दी, खांसी या बुखार होगा तो प्रवेश नहीं मिलेगा। सूरत टेक्सटाइल और डायमंड हब है। इसके अलावा कई उद्योग सूरत में चलते हैं। इसी वजह से यहां रोजाना कई लोगों का आना-जाना होता है। ऐसे में बाहर से आने वाले लोगों से कोरोना ज्यादा नहीं फैले इसके लिए सूरत नगरपालिका द्वारा बड़ा निर्णय लिया गया है। सूरत नगरपालिका ने घोषणा की है कि, बाहर से आने वाले यात्री में सर्दी-खांसी या बुखार होगा तो सूरत में प्रवेश नहीं मिलेगा।

सूरत में कोरोना की चेन तोड़ने के लिए सूरत प्रवेश द्वार पर नगरपालिका जांच करेगी। सूरत में एंट्री करते सभी यात्रियों की एंट्री पॉइंट पर अनिवार्य रूप से टेस्टिंग किया जाएगा। दूसरी तरफ, मनपा ने पॉजिटिव मरीजो को ढूंढने के लिए कोम्बिंग ऑपरेशन शुरू किया गया है। पॉजिटिव मरीज सुपर स्प्रेडर नहीं बने इसके लिए यह ढूंढने के लिए ६४ टीम बनाई गई है। जो पूरे सूरत में घूमकर पॉजिटिव मरीजों का पता लगायेंगे। यह टीम ने एक महीने में ९७७२ केस पॉजिटिव ढूंढ निकाले है। इसके साथ ही सूरत के नानपुरा में पॉजिटिव दर १२ फीसदी है। कोरोना को खत्म करने के लिए सूरत का प्रशासन एक्टिव हुआ है। अब राज्यभर में सूरत की यह पेटर्न का उपयोग किया जाएगा। सूरत के कोविड कॉम्युनिटी सेंटर का अनुकरण पूरे राज्य में होगा। सूरत में २५ कोविड कॉम्युनिटी सेंटर है, जिसमें हाल १५५७ मरीज फिलहाल उपचार ले रहे हैं।

सूरत भूमि, सूरत।

महावीर स्वामी भगवान की 2620 वीं जयंती के उत्सव के एक भाग के रूप में, जो जैन धर्म में तीर्थंकर भगवान हैं, श्री महावीरस्वामी भगवान, जिन्होंने मानव जाति में अहिंसा का प्रचार किया और जीवों और जीवों का नारा दिया, जिसने मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया। वर्ष 2020-2021 में, जब भारत कोरोना महामारी फैल रहा था, भगवान श्री महावीर स्वामी के जन्म और कल्याण दिवस के अवसर पर शिव कार्तिक के परिवारों द्वारा वेसु वीआईपी रोड में एक अनूठा आयोजन किया गया था। जिसमें वर्तमान स्थिति को देखते हुए, शिव कार्तिक के निवासियों को एक साथ मिलना चाहिए और कार्यक्रम आयोजित करने के बजाय, समाज के श्रमिक परिवार और आस पड़ोस, सब्जी व्यापारी, घर से काम करने वाली बहनें, सुरक्षा गार्ड, कोरोना वारियर्स को मिठाइयाँ साझा कीं और सादगी से मनाया।

क्राइम ब्रांच ने शहर में ड्रग्स के कारोबार का पर्दाफाश किया

अहमदाबाद ।

शहर में ड्रग्स का कारोबार चल रहे होने का पर्दाफाश अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने किया है। वाट्सएप कॉल के द्वारा एमडी ड्रग्स मंगवाने वाले दो शख्स की गिरफ्तारी की गई है। क्राइम ब्रांच ने पांच लाख से ज्यादा का ड्रग्स जब्त करके जांच शुरू कर दी है। हालांकि इस केस में डिलीवरी करने वाला और ड्रग्स देने वाला वांटेड है। शहर में एमडी ड्रग्स की बिक्री फिर से शुरू हुई है। जुहापूरा क्षेत्र में रहता शख्स अपने दोस्त के साथ मिलकर एमडी ड्रग्स की बिक्री करते होने की मिली जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने विशाला सर्कल के पास दोनों को गिरफ्तार करके ५४ ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त किया गया है। फ्तेहवाडी के अतीक मंडली नाम के शख्स से दोनों ड्रग्स खरीदते थे। वाट्सएप कॉल करके अतीक से उन्होंने ड्रग्स मंगवाया था जिसे लेकर आते हुए गिरफ्तार हुआ। क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि, जुहापूरा में रहता महंमद सुलतान शेख और कालुपूर का मुस्तकिम शेख भागीदारी में ड्रग्स का धंधा करते हैं। फ्तेहवाडी के अतीक मंडली नाम के शख्स से वह ड्रग्स खरीदते है। दोनों जुहापूरा से विशाला सर्कल के पास ड्रग्स के साथ आने वाले हैं। जिसकी वजह से टीम ने वहां निगरानी करना शुरू कर दिया। स्कूटर पर दोनों आरोपी आने पर पुलिस ने उनको रोककर और जांच करने पर पाकिट में रही थैली में से सफेद कलर का पावडर मिल गया। अभी अधिकारी को बुलाकर और जांच करने पर एमडी ड्रग्स होने की पुष्टि हुई थी। जिसकी वजह से दोनों की पूछताछ करने पर उनको बेचने के लिए ड्रग्स चाहिए होने से अतीक को वाट्सएप कॉल करके ड्रग्स मंगवाया था। सोनू नाम का शख्स ड्रग्स देकर गया था। पुलिस द्वारा आगे की पूछताछ किए जाने पर क्राइम ब्रांच के पीआई ए वाय बलोच ने बताया है। गिरफ्तार हुए दोनों आरोपियों का कोई क्राइम इतिहास है कि नहीं इस मामले में जांच शुरू हुई है और वांटेड आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद और खुलासा होगा कितने समय से यह कारोबार चल रहा था।

सूरत में रेमडेसिवीर १३-१४ हजार रुपये में बेची जा रही थी

पुलिस ने डॉक्टर सहित ४ शख्सों की गिरफ्तारी, एक डॉक्टर वांटेड, चिकित्सा व्यवसाय को कलंकित करता कृत्य

अहमदाबाद ।

सूरत में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है नये स्ट्रेन की वजह से कोरोना फैल गया है तब ऐसे समय में मरीजों के लिए एक ही जीवन रक्षक समान है और यह रेमडेसिवीर इंजेक्शन हाल में कोरोना के नये स्ट्रेन की वजह से लोगों में ऑक्सीजन की कमी और सांस लेने में तकलीफ हो रही है। हाल में सूरत में कोरोना का संक्रमण बढ़ने की वजह से लोगों की हालत बदतर बन चुकी है। अस्पतालों में बेड फुल हो गये हैं। श्मशान में भी अंतिम संस्कार के लिए लाइनें लगी है। कोरोना के मरीज के लिए जीवन रक्षक समान है रेमडेसिवीर इंजेक्शन हाल में कोरोना के नये स्ट्रेन की वजह से लोगों में ऑक्सीजन की कमी और सांस लेने में तकलीफ हो रही है। फिलहाल में सूरत में कोरोना के संक्रमण बढ़ने को लेकर लोगों की हालत बदतर बन चुकी है। अस्पतालों में बेड फुल हो गये हैं। श्मशान में भी अंतिम संस्कार के लिए लाइनें लगी है। कोरोना के मरीज के लिए जीवन रक्षक समान है रेमडेसिवीर इंजेक्शन फिलहाल में कोरोना के नये स्ट्रेन की वजह से लोगों में ऑक्सीजन की कमी और सांस लेने में तकलीफ हो रही है। फिलहाल में सूरत में कोरोना के संक्रमण बढ़ने को लेकर लोगों की हालत बदतर बन चुकी है। अस्पतालों में बेड फुल हो गये हैं। श्मशान में भी अंतिम संस्कार के लिए लाइनें लग गई है।

कामरेज विश्व हिंदू परिषद सूरत महानगर के कार्यकर्ता द्वारा अग्नि संस्कार का सेवा कार्य किया जा रहा है

सूरत।

सूरत जिला विश्व हिंदू परिषद सूरत महानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा लंबे समय से चल रहे अग्नि संस्कार में कोरोना की महामारी में सेवा कार्य किया जा रहा हैं। कामरेज के दादा भगवान मंदिर से भोजन वितरण कि सेवा दि जा रही हैं।

भरत चौधरी द्वारा : सूरत शहर में कोरोना महामारी में सामाजिक संगठनों द्वारा सेवा कार्य किए जा रहे हैं।

ऐसे समय पर विश्व हिंदू परिषद सूरत महानगर के कार्यकर्ता कामरेज के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा तापी के किनारे एक साथ 30 शवों के अंतिम संस्कार की व्यव-स्था कि गई हैं। भरत चौधरी और कामरेज के मयंकभाई सोनी इस भोजन के वितरण के लिए जिम्मेदार हैं। यह सेवा सामाजिक संगठनों द्वारा प्रदान की जा रही है। कार्यकर्ता अपनी जान की परवाह किए बिना अग्नि संस्कार कर रहे हैं।

अहमदाबाद स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा कोरोना महामारी से बचाव हेतु जागरूकता अभियान

अहमदाबाद ।

वर्तमान कोरोना महामारी परिदृश्य को देखते हुए पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा एवं होने कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना गाइडलाइन का पालन करने हेतु मंडल द्वारा कड़े कदम उठाए गए हैं। अहमदाबाद स्टेशन पर यात्रियों का मूवमेंट स्ट्रीमलाइन करने हेतु प्लेटफार्म पर प्रवेश एवं निकास हेतु व्यापक प्रबंध किए गए हैं। प्लेटफार्म पर यात्रियों की कोरोना जांच के लिए थर्मल चेकिंग के साथ-साथ अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के सहयोग से कॉविड जांच बूथ लगाया गया है। जहां यात्री जिनके पास नेगेटिव रिपोर्ट नहीं है की जांच की जा रही है चेकिंग स्टाफ द्वारा आरपीएफ एवं जीआरपी को पूरा सहयोग किया जा रहा है एवं यात्रियों के टिकट जांच के साथ-साथ नेगेटिव रिपोर्ट भी देखी जा रही है। उन्होंने बताया कि क्राउड कंट्रोल के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं तथा 24*7 अहमदाबाद स्टेशन की सतत निगरानी की जा रही है ताकि प्लेटफार्म पर भीड़ एकत्रित नहीं हो। आरपीएफ द्वारा व सेगवे द्वारा भी पेट्रोलिंग की जा रही है तथा ट्रेनों के कोच में जाकर यात्रियों से उनके हित में पूरी यात्रा के दौरान मास्क पहने एवं ष्थ1द्वस्र प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी जा रही है। अभी तक आरपीएफ एवं जीआरपी के संयुक्त अभियान में सभी यात्रियों द्वारा फेस मास्क/फेस कवर करना सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे नियम 2012 के तहत (रेलवे परिसर में स्वच्छता को प्रभावित करने वाली गतिविधियों के लिए दंड) अभी तक 18 व्यक्तियों को फाइन कर 15400 का दंड वसूला गया। झा ने बताया कि स्टेशनों पर कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के साथ-साथ डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से भी घोषणाए की जा रही है। इसी प्रकार आकर्षक इंफ्रोग्राफिक, वेब कार्ड, ई पोस्टर्स और वीडियो के माध्यम से भी सोशल मीडिया माध्यमों जैसे ट्विटर इत्यादि प्लेटफार्म पर भी कोविड प्रोटोकॉल से संबंधित व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आरपीएफ द्वारा अहमदाबाद स्टेशन के (कालुपुर साइड) कानकार्स हाल में "हेल्पडेस्क" की शुरुआत की गई है जो 24 * 7 कार्यरत है। पश्चिम रेलवे अपने सभी सम्मानित यात्रियों से ट्रेनों में यात्रा के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क पहनने के कोविड-19 के मानदंडों, प्रोटोकॉल एवं स्व्ब्क्स का पालन करने का अनुरोध करती है साथ ही यात्रियों से यह भी अनुरोध है कि कृपया किसी भी प्रकार की अफवाहों एवं गलत पोस्ट पर विश्वास न करें तथा आवश्यकता होने पर हेल्पडेस्क की सहायता ले।

गुजरात के कई क्षेत्रों में हिटवेव, बारिश का पूर्वानुमान

गांधीनगर ।

गुजरात में पिछले एक सप्ताह से कई क्षेत्रों में मौसम बदलने के साथ हल्की बारिश हो रही है। राज्य में हवा की दिशा बारबार बदल रही है। जिसकी वजह से तापमान में भी बदलाव देखने को मिला है। हालांकि राज्य में उत्तर पश्चिम की हवा बह रही है। जिसकी वजह से सौराष्ट्र और उत्तर गुजरात के कई क्षेत्रों में हिटवेव का पूर्वानुमान मौसम विभाग ने लगाया है। सौराष्ट्र के कई जिलों में हल्की बारिश की भी मौसम विभाग का अनुमान है। उत्तर पश्चिम की हवा बहने से तापमान बढ़ जाएगा। जिसकी वजह से पोरबंदर, साबरकांठा और बनासकांठा में हिटवेव का पूर्वानुमान मौसम विभाग द्वारा लगाया गया है। गर्म हवा बहने की वजह से तापमान में भी २ से ३ डिग्री की वृद्धि होगी। अहमदाबाद शहर में येलो अलर्ट दिया गया है। अहमदाबाद शहर में ४१ से ४३ डिग्री करीब तापमान दर्ज किया जाएगा। राजस्थान पर एक साइक्लोन सक्युलर सक्रिय हुआ है। तथा थंडर स्टोम एक्टिविटी की वजह से सौराष्ट्र के बिजली की मेघगर्जना तथा ४० किलोमीटर की तेजी से हवा के साथ हल्की बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है। २६ से २९ अप्रैल के दौरान अमरेली, गीर सोमनाथ, राजकोट, कच्छ में हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान मौसम विभाग द्वारा व्यक्त किया गया है। कोरोना की महामारी के बीच डबल सीजन से लोग परेशान हो रहे है। दोपहर में गर्मी और शाम को बारिश। हालांकि बेमौसम बारिश और और तेज हवाओं की वजह से आम की फसल को नुकसान हो रहा है दूसरी तरफ डबल सीजन की वजह से लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि, रविवार को मोरबी जिले में दोपहर के बाद मौसम अचानक से बदल गया।

सूरत भूमि, सूरत। कोरोना महामारी का एक और प्रकोप करणी माता मंदिर रामायण फार्म डुम्मस रोड पर चल रहा है। मास्क और सैनिटाइज़र के वितरण की प्रोग्रामिंग करके जागरूकता लाने का प्रयास किया गया। जिसमें लक्ष्मीकांत पटेल, बजरंगभाई कवैया, राजुभाई कवैया, मुजलभाई देसाई के साथ-साथ विभिन्न नेता मौजूद थे।

सूरत में ३ वर्ष की बच्ची का देर रात को अपहरण किया गया

सूरत ।

सूरत शहर जैसे गरीब लोगों के लिए रहने योग्य नहीं हो ऐसी स्थिति का निर्माण हो रहा है। यदि आपके पास शरण नहीं है तो आप सुरक्षित नहीं है ऐसी घटनाएं सूरत शहर से सामने आ रही है। जिसके पास सहारा नहीं है ऐसे लोगों के लिए रास्ता ही मकान है। सूरत में रास्ते में रहते एक श्रमिक परिवार की बेटी को कोई शख्स उठाकर ले गया है। यदि अपहरणकर्ता सीसीटीवी में कैद हुआ है और पुलिस ने यह विडियो जारी किया है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार सूरत के पूणागाम क्षेत्र से गत दिन देर रात को एक मासूम बच्ची का अपहरण किया गया है। यह अपहरण की घटना सीसीटीवी में कैद हुई है।

यहां आईमाता चौक के निकट रास्ते पर रहकर कमाता गरीब श्रमिक परिवार की सोई हुई बच्ची का अपहरण हुआ है। बच्ची को उठाकर एक शख्स रात को निकल जाता है और इसके मां-पिता को जानकारी भी नहीं होती है। हालांकि, सुबह में अपनी लाडली बेटी को गायब देखकर श्रमिक परिवार चिंतित हो गया और पुलिस से मदद मांगने के लिए गया था।

पुलिस ने देरी नहीं करके जांच शुरू करके और निकट के सीसीटीवी फूटेज चेक किया था। हाल में यह सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पुलिस को एक संदिग्ध शख्स मिला। यह सीसीटीवी विडियो में एक संदिग्ध बच्ची को उठाकर ले जाते हुए दिखाई दिया है। पुलिस अपहरणकर्ताओं को को ढूंढ रही है और लोगों को यह विडियो के माध्यम से ऐसा कोई संदिग्ध व्यक्ति मालूम पड़े तो पूणा पुलिस को मदद करने के लिए अपील की है। हालांकि, बच्ची का अपहरण हुआ यानी कि इसके साथ कुछ हुआ हो ऐसा डर परेशान कर रहा है। पुलिस ने घटना के सीसीटीवी विडियो के आधार पर एक अज्ञात अपहरणकर्ता की खोजबीन शुरू कर दी है लेकिन ऐसी घटनाएं साबित करती है कि आपके पास शरण नहीं है तो आप सुरक्षित नहीं है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)